उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग

असिस्टेंट प्रोफेसर

एवं

राजकीय डिग्री कालेज (GDC)

अर्थशास्त्र

सॉल्व्ड पेपर्स

प्रधान सम्पादक
आनन्द कुमार महाजन

लेखन सहयोग
अर्थशास्त्र परीक्षा विशेषज्ञ समिति

कम्प्यूटर ग्राफिक्स
बालकृष्ण, चरन सिंह

संपादकीय कार्यालय
12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002
मो. : 9415650134
Email : yctap12@gmail.com
www.yctbooks.com/ www.yctfastbooks.com
© All rights reserved with Publisher
प्रकाशन घोषणा
प्रधान सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने ओम सांईं ऑफसेट, प्रयागराज से मुद्रित करवाकर, वाई.सी.टी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002 के लिए प्रकाशित किया।

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सुझाव एवं सहयोग सादर अपेक्षित है।

किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

₹ 395/-

विषय-सूची

सॉल्व्ड पेपर्स

■ परीक्षा पाठ्यक्रम 3-4

उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग

■ उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा 2021 5-19

■ उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा 2016 20-29

■ उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा 2014 30-42

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग

■ उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग राजकीय डिग्री कॉलेज परीक्षा 2021 43-65

■ उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग राजकीय डिग्री कॉलेज परीक्षा 2017 66-85

राजस्थान लोक सेवा आयोग

■ राजस्थान लोक सेवा आयोग कॉलेज लेक्चरर प्रथम प्रश्न-पत्र परीक्षा 2014 86-117

■ राजस्थान लोक सेवा आयोग कॉलेज लेक्चरर द्वितीय प्रश्न-पत्र परीक्षा 2014 118-148

उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग

■ उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा 2017 149-159

मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग

■ मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग असिस्टेन्ट प्रोफेसर परीक्षा 2017 160-181

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग

■ छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा 2019 182-196

■ छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा 2016 197-221

■ छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा 2014 222-235

हरियाणा लोक सेवा आयोग

■ हरियाणा लोक सेवा आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा 2017 236-256

पाठ्यक्रम (SYLLABUS)

अर्थशास्त्र

उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग

इकाई–1 : व्यष्टि आर्थिक विश्लेषण

- मांग विश्लेषण–मार्शलियन, हिक्सियन और प्रगट वरीयता दृष्टिकोण।
- उत्पादन और लागत वक्र के सिद्धान्त।
- पूर्ण, एकाधिकार, एकाधिकारी और अल्पाधिकार बाजार के तहत मूल्य निर्धारण और उत्पादन निर्धारण।
- सामान्य सन्तुलन और कल्याण अर्थशास्त्र।
- फर्म के प्रबंधकीय सिद्धांत – बॉमल, मैरिस और विलियमसन।

इकाई–2 : समष्टि आर्थिक विश्लेषण

- उत्पादन और रोजगार का निर्धारण – शास्त्रीय दृष्टिकोण, कीन्सियन और पोस्ट कीन्सियन दृष्टिकोण, उपभोग परिकल्पनाएं।
- फिलिप्स वक्र विश्लेषण।
- व्यापार चक्र मॉडल : सैमुएल्सन, हिक्स और कालडोर।
- राजकोषीय और मौद्रिक नीतियां और आईएस–एलएम (IS-LM) मॉडल।

इकाई–3 : विकास और योजना

- विकास का मापन : पारंपरिक, HDI और जीवन सूचकांकों की गुणवत्ता।
- विकास के सिद्धांत – शास्त्रीय, मार्क्स और शुम्पीटर;
- विकास के दृष्टिकोण; गरीबी का दुष्चक्र, मिर्डाल का गोलाकार प्रवाह संबंध सिद्धांत, संतुलित विकास, क्रांतिक न्यूनतम प्रयास, प्रबल धक्का, श्रम की असीमित आपूर्ति, असंतुलित विकास, निम्न आय संतुलन पास।
- तकनीकों और उपयुक्त प्रौद्योगिकी का चुनाव – निवेश मानदंड – लागत का प्राथमिक विचार – लाभ विश्लेषण।
- योजना की विकास तकनीकी; बाजार में योजना बनाना – उन्मुख अर्थव्यवस्था।
- नीति आयोग : उद्देश्य और विशेषताएं।

इकाई–4 : वृद्धि अर्थशास्त्र

- आर्थिक विकास, आर्थिक विकास और सतत विकास
- आर्थिक विकास के मॉडल – हैरड-डोमर मॉडल, नियोक्लासिकल वृद्धि मॉडल–सोलो मॉडल

इकाई–5 : मुद्रा और बैंकिंग

- मुद्रा की मांग – फिशर और कैम्ब्रिज संस्करण, कीन्सियन, फ्रीडमैन, बॉमल और टोबिन के दृष्टिकोण।
- मुद्रा की आपूर्ति, मुद्रा की आपूर्ति के निर्धारक, उच्च – संचालित मुद्रा, मुद्रा गुणक।
- मुद्रा और बैंकिंग – मुद्रा आपूर्ति की अवधारणाएं, भारत के मुद्रा बाजार संगठन, आर.बी.आई. की बदलती भूमिका, मुद्रास्फीति – अवधारणा, रूझान, अनुमान, परिणाम और उपचार; मौद्रिक नीति और वित्तीय क्षेत्र में सुधार।

इकाई–6 : लोक वित्त

- अर्थव्यवस्था में सरकार की भूमिका – आवंटन, वितरण और स्थिरीकरण कार्य; निजी, सार्वजनिक और लाभदायक वस्तुएं।
- बजट – बजट के घटक, बजट के प्रकार, शून्य – आधार बजटिंग, घाटे की अवधारणा, प्रकार और घाटे के प्रभाव; भारत में केन्द्र सरकार का बजट; निर्माण और अधिनियमन

  सार्वजनिक व्यय : अर्थ और कार्य क्षेत्र, सार्वजनिक व्यय के सिद्धांत।
- सार्वजनिक राजस्व – कर बोझ, घटना के विभाजन के लिए विभिन्न दृष्टिकोण कराधान के प्रभाव; लोच और उछाल; कर योग्य क्षमता

  सार्वजनिक ऋण – उद्देश्य और महत्व, स्रोत, प्रभाव, बोझ और इसके प्रबंधन।
- राजकोषीय संघवाद – अवधारणा, सिद्धांत और समस्याएँ; भारत में केन्द्र-राज्य वित्तीय संबंध की समस्या, भारत में वित्त आयोग की भूमिका
- राजकोषीय नीति – राजकोषीय नीति के उद्देश्य और साधन, प्रतिपूरक राजकोषीय नीति
- कार्यात्मक वित्त की अवधारणा; भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्था में राजकोषीय नीति की भूमिका।

इकाई–7 : अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र

- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धान्त – नव–शास्त्रीय (हैबरलर) और आधुनिक व्यापार सिद्धान्त (हेक्शर-ओहलिन); व्यापार और व्यापार से लाभ की शर्तें; व्यापार और आर्थिक विकास की शर्तें; व्यापार की शर्तों को प्रभावित करने वाले कारक।
- भुगतान संतुलन – भुगतान संतुलन में समायोजन, लोच, अवशोषण और मौद्रिक दृष्टिकोण में अवलोकन, समायोजन और संतुलन; विनियम दर।
- टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं का प्रभाव, टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं का आंशिक और सामान्य संतुलन विश्लेषण।

- वैश्विक स्तर पर क्षेत्रवाद का सिद्धांत – ब्रेटन-वुड्स सिस्टम का पतन।
- आर्थिक विकास में डब्ल्यू.टी.ओ., आई.एम.एफ., विश्व बैंक जैसे बहुपक्षीय विकास निकायों (एम.डी.बी.) की भूमिका।

इकाई–8 : भारतीय अर्थव्यवस्था–I

- एक विकासशील अर्थव्यवस्था की विशेषताएं; बुनियादी आर्थिक संकेतक – राष्ट्रीय आय, विभिन्न क्षेत्रों का प्रदर्शन; ऊर्जा की अवधारणा – नवीकरणीय और गैर–नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत।
- कृषि – संस्थागत और तकनीकी पहलू, भारत में कृषि नीति, भारत में भूमि सुधार, ग्रामीण ऋण, कृषि मूल्य नीति, सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पी.डी.एस.) और भारत में खाद्य सुरक्षा।
- जनसंख्या वृद्धि – हाल की जनगणना के माध्यम से भारत की जनसंख्या की विशेषताएं।

इकाई–9 : भारतीय अर्थव्यवस्था–II

- उद्योग, औद्योगिक नीति सुधार, आरक्षण नीति, प्रतिस्पर्धा नीति, एम.एस.एम.ई. अधिनियम।
- विदेशी व्यापार – भारत में रूझान, भुगतान संतुलन और व्यापार सुधार, विदेशी मुद्रा दर सुधार; भारत के विदेश व्यापार, भारत और डब्ल्यू.टी.ओ. की आवश्यकताओं, द्विविपक्षीय व्यापार समझौतों, एफ.डी.आई. की संरचना और दिशा।
- गरीबी, बेरोजगारी और मानव विकास – भारत के लिए असमानता और गरीबी उपायों का अनुमान, एच.डी.आई. में भारत की रैंकिंग।

इकाई–10 : सांख्यिकीय विधि

- केन्द्रीय प्रवृत्ति, फैलाव, विषमता और कुर्तोसिस के उपाय।
- संभावना का प्राथमिक सिद्धांत – बिनोमियल, पॉइसन और सामान्य वितरण।
- सरल सहसम्बन्ध तथा प्रतिगमन विश्लेषण।
- सांख्यिकीय निष्कर्ष – अनुप्रयोग, नमूना वितरण (टी, X^2 और F परीक्षण) विशेषताओं का नमूना, परिकल्पना का परीक्षण।
- इंडेक्स नंबर और समय श्रृंखला विश्लेषण।
- नमूना और जनगणना के तरीके, नमूना और त्रुटियों के प्रकार।

उत्तर प्रदेश राजकीय डिग्री कालेज (प्रवक्ता)

1-Micro Economics: Theory of consumer behavior and demand analysis-cardinal approach, ordinal approach and reveled preference theory: Theory of production: production function-Cobb-Douglas production function, CES and VES production functions: Theory of cost-cost and revenue curves: Modern approach to the theory of cost-technical progress and techniques of production: Equilibrium of firm under different market forms: pricing of factors of production: Concept of economic welfare, paretion optimality and compensation principles.

2-Macro Economics: National Income-concepts, components and methods of accounting: classical and Keynesian theories of employment and income: Investment Multiplier, accelerator, interaction of multiplier and accelerator: concepts of economic growth and economic development: determinants of economic growth: development models of economic growth-Harrod-Domar, Solow, Meade and Joan Robinson: Theories of trade cycles.

3-Money and Banking: Concepts and functions of money : Supply of Money- determinants of money supply : high powered money: money multiplier: Quantity theory of money-Fisher and Cambridge version: Keynesian, Patinkin, Friedman, Baumal and Tobin's approach: Theories of inflation: Philips curve analysis: Monetary Policy of India.

4-Public Finance: Role of the Government in economic activity-allocation, distribution and stabilization functions: private, public, and merit goods: Concepts of deficit and Budgets of the Union government of India: Public expenditure theories, effects and evaluation:

Public Revenue : Theories of taxation, impact, incidence, effects and shifing of tax, taxable capacity: Public Debts-sources, effects, burden and its management: Fiscal Federalism- theory and problems: role of finance Commission in India: Fiscal Policy-neutral, compensatory and functional finance.

5-International Economics: Theory of comparative cost, Haberler's opportunity cost theory, Hechscher-Ohlin theorem: Free taade and protection: balance of Payment and adjustment mechanism: foreign exchange rate determination: IMF, IBRD and WTO.

6-Indian Economy: Basic features of Indian Economy: Planning-objectives, approaches, priorities and problems of resource mobilization: Issues and policies relating to population, poverty and unemployment in India: Structural changes-State vs. Market policy for sustainable development: Developing human capital: Agricultural policy-issues of food security, developing rural infrastructure and evaluation of policies promoting rural infrastructure and evaluation of policies promoting rural development : Industrial reforms and their impact on industrial growth: PSUs and disinvestment : small scale enterprises in Indian Economy : Public Private partnership in India: productivity and environmental issues.

7-Quantitative Techniques of Economic Analysis : Function, limits, equations, identity and simple, differentiation: Measures of central, tendency, dispersion, skewness and kurtiosis: Simple correlation and regression analysis: Methods lof Sampling: Index numbers and time series analysis: Elementary theory of probability-Binomial Possession and Normal distribution.

उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग असिस्टेन्ट प्रोफेसर परीक्षा 2021
अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र **परीक्षा तिथि : 28/11/2021**

1. Which of the following is not a dimension of multidimensional poverty Index?
निम्नांकित में से कौन एक बहुआयामी गरीबी सूचकांक का आयाम नहीं है?

(a) Health / स्वास्थ्य
(b) Economic Growth / आर्थिक संवृद्धि
(c) Education / शिक्षा
(d) Standard of living / जीवननिर्वाह स्तर

Ans. (b) : एच0डी0आर 2010 में विकसित बहुआयामी गरीबी सूचकांक की धारणा 'उपलब्धता (कैपैबिलिटी) प्रत्यागम' (अमर्त्य सेन) पर आधारित है। इसे यू.एन.डी.पी. के साथ से आक्सफोर्ड पावरटी एण्ड ह्यूमन डेवलपमेंट इनीसियेटिव द्वारा विकसित किया गया। यह तीन आयामों पर आधारित है, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा जीवन निर्वाह का स्तर समान भार के साथ इनके 10 संकेतक है। बहुआयामी गरीबी सूचकांक 2021 के अनुसार 109 देशों में भारत की रैंक 66वीं है।

2. Economic growth is usually coupled with :
आर्थिक संवृद्धि प्रायः जोड़ी जाती है :

(a) Deflation / मुद्रा अवस्फीति से
(b) Inflation / मुद्रा स्फीति से
(c) Stagflation / स्टैगफ्लेशन से
(d) Hyper inflation / अधि-स्फीति से

Ans. (b) : आर्थिक संवृद्धि प्रायः मुद्रा स्फीति से जोड़ी जाती है। सामान्यतः मुद्रा स्फीति उस स्थिति को कहते हैं जबकि पूर्ति में वृद्धि न हो पाने के कारण या पूर्ति के स्थिर रहने के कारण मुद्रा की पूर्ति में वृद्धि के फलस्वरूप अर्थव्यवस्था में मांग अधिक्य के कारण मूल्य स्तर में लगातार तेज संचयी तथा स्थायी वृद्धि हो रही है। इस प्रकार मूल्य स्तर में वृद्धि मुद्रा स्फीति की आवश्यक दशा है।

3. Development is not possible without :
विकास संभव नहीं है :

(a) extended size of market
बाजार के विस्तृ आकार के बिना
(b) Incentive of profit / लाभ की प्रेरणा के बिना
(c) Inflation / मुद्रा स्फीति के बिना
(d) Foreign aid / विदेशी सहायता के बिना

Ans. (c) : मुद्रा स्फीति के बिना विकास संभव नहीं है। मूल्य स्तर की वृद्धि स्फीति की सूचक हो सकती है पर मूल्य की प्रत्येक वृद्धि आवश्यक रूप से स्फीतिक नहीं होगी। सामान्यतः मुद्रा स्फीति उस स्थिति को कहते है जबकि पूर्ति में वृद्धि न हो पाने के कारण या पूर्ति के स्थिर रहने के कारण मुद्रा की पूर्ति में वृद्धि के फलस्वरूप अर्थव्यवस्था में माँग आधिक्य के कारण मूल्य स्तर में लगातार तेज संचयी तथा स्थायी वृद्धि हो रही है। इस प्रकार मूल्य स्तर में वृद्धि मुद्रा स्फीति की आवश्यक दशा है।

4. The new demand side model of growth is the :
संवृद्धि का नवीन माँग पक्षीय मॉडल है :

(a) Keynes model / केन्ज मॉडल
(b) Malthus model / माल्थस मॉडल
(c) Marshal model / मार्शल मॉडल
(d) Smith model / स्मिथ मॉडल

Ans. (a) :संवृद्धि का नवीन माँग पक्षीय मॉडल कीन्स मॉडल है। माँग आधिक्य को जन्म देने वाली शक्तियों की व्याख्या के लिए कीन्स ने अपनी पुस्तक हाउ टू पे फॉर द वार (1940) में स्फीतिक अन्तराल की धारणा प्रतिपादित की। पूर्णरोजगारी उत्पादन के स्तर पर समग्र मांग का आधिक्य या (समग्र मांग समग्र व्यय-पूर्णरोजगरीय उत्पादन) को स्फीतिक अन्तराल कहते है। स्फीतिक अन्तराल की धारणा ही मुख्यतया कीन्सियन स्फीति दृष्टिकोण है और इसकी व्याख्या करते हुए मुद्रा की पूर्ति को दिया हुआ मान लेते है।

5. Schumpter assigns the role of innovator to
शुम्पीटर नवप्रवर्तक की भूमिका सौंपते हैं :

(a) Capitalists / पूँजीपतियों को
(b) Entrepreneurs / उद्यमियों को
(c) Creditors / लेनदारों को
(d) Workers/ मजदूरों को

Ans. (b) : शुम्पीटर नवप्रर्वक की भूमिका उद्यमियों को सौंपते हैं। शुम्पीटर के अनुसार नव-प्रर्वतक का कार्य पूँजीपति नहीं अपितु उद्यमी करता है। उद्यमी साधारण प्रतिभा का व्यक्ति नहीं है, बल्कि ऐसा व्यक्ति हैं जो किसी एकदम नयी चीज की शुरूआत करता है। वह तो निधि तो प्रदान करता है, परन्तु निधियों के प्रयोग को निर्दिष्ट करता है। उद्यमी को अपना आर्थिक उत्तरदायित्व निभाने के लिए दो बातों की जरूरत रहती है। एक तो नयी वस्तुओं का उत्पादन करने के लिए तकनीकी ज्ञान का अस्तित्व हो और दूसरे बैंक साख के रूप में उत्पादन के साधनों पर निपटान करने का अधिकार।

6. Demonstration effect is associated with :
प्रदर्शन प्रभाव संबंधित है :

(a) Lewis / लेविस से
(b) Myrdel / मिर्डल से

(c) Pigon Model / पीगू मॉडल से

(d) Nurkse / नर्क्स से

Ans. (d) : प्रो0 नर्क्से के अनुसार, ''अल्पविकसित देशों में पूंजी-निर्माण की गति मन्द करने वाले प्रमुख कारणों में से एक यह है कि लोगों में विकसित देशों के उत्कृष्ट उपभोग स्तरों का अनुसरण करने की इच्छा होती है। एक मात्र धनी वर्ग ही ऐसा है जो इन देशों में अधिकांश बचत करता है लेकिन ये बचतें उत्पादक नहीं होती जैसे-भूमि खरीदना, विदेशी एवं देशी करेंसी को एकत्रित करना इत्यादि।

7. Which of the following is termed as token currency?
निम्नांकित में से किसे सांकेतिक मुद्रा कहा जाता है?

(a) Metallic coins / धात्विक सिक्के

(b) Paper currency / पत्र मुद्रा

(c) Digital currency / डिजिटल मुद्रा

(d) Neither (A), (B) nor (C)
न तो (A), (B) न ही (C)

Ans. (b) : पत्र मुद्रा को सांकेतिक मुद्रा या प्रतिनिधि मुद्रा कहा जाता है। प्रतिनिधि मुद्रा वह मुद्रा है जिसके अंकित मूल्य तथा वास्तविक मूल्य बराबर नहीं होते। ऐसी मुद्रा को वस्तु मुद्रा में बदलने की सुविधा दी जाती है। यह मुद्रा का सूचक तथा प्रतिनिधि होता है। पत्र मुद्रा (Paper Money) प्रतिनिधि मुद्रा का उदाहरण है।

8. Saving Account Deposits and Current Account Deposits are components of which of the following accounts?
निम्नांकित खातों में से बचत खाता जमा और चालू खाता जमा किसके घटक हैं?

(a) Term Deposit / मियादी जमा

(b) Demand Deposit / माँग जमा

(c) Both of these / उपरोक्त दोनों

(d) None of these / इनमें से कोई नहीं

Ans. (b) : बचत खाता जमा और चालू खाता जमा माँग जमा के घटक हैं। मांग जमा का अर्थ बैंक द्वारा स्वीकारी गयी वह जमा राशि है जो मांग किये जाने पर आहरणीय है। वेतनभोगी जनता तथा अन्य सामान्य आय वाले व्यक्तियों के लिए बैंकों द्वारा एक विशेष प्रकार के खाते की व्यवस्था की जाती है जिसे 'बचत खाता' कहते है। चालू खाते की विशेषता यह है कि इसमें किसी भी समय कितनी भी रकम या रकमें जमा करायी जा सकती हैं और आवश्यकतानुसार कितनी भी बार निकलवायी जा सकती है।

9. Green banking means :
हरित बैंकिंग का अभिप्राय है :

(a) Development of Forestry by banks
बैंकों द्वारा वानिकी का विकास

(b) Financing of environment friendly projects by banks/बैंकों द्वारा पर्यावरण सहिष्णु परियोजनाओं का वित्तीयन

(c) Financing of irrigation projects by banks
बैंकों द्वारा सिंचाई परियोजनाओं का वित्तीयन

(d) Neither (A), (B) nor (C)
न तो (A), (B) न ही (C)

Ans. (d) : हरित बैंकिग एक सामान्य बैंक की तरह है, जो पर्यावरण की रक्षा और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के उद्देश्य से सभी सामाजिक और पर्यावरणीय/पारिस्थितिक कारकों पर विचार करता है। हरित बैंकिंग की वह प्रणाली जिसमें आन लाइन सुविधा के विस्तार से कागज का कम से कम प्रयोग होता है जिससे परोक्ष रूप से लाखों पेड़ कटने से बच जाते हैं, हरित बैंकिग कहते हैं।

10. High powered money refers to :
उच्च शक्ति मुद्रा संबंन्धित है :

(a) Currency held by public + required and excess reserves/व्यक्तियों द्वारा धारित मुद्रा + बाँच्छित एवं आधिक्य कोष से

(b) Currency + excess and total reserves
मुद्रा + आधिक्य एवं कुल कोष से

(c) Currency + required and total reserves
मुद्रा + बाँच्छित एवं कुल कोष से

(d) None of these / इनमें से कोई नहीं

Ans. (a) : उच्च शक्ति मुद्रा व्यक्तियों द्वारा धारित मुद्रा + वांछित एवं आधिक्य से सम्बन्धित है। उच्च शक्ति मुद्रा वह राशि है जो कामर्शियल बैंकों के पास आरक्षितियों और जनता के पास करेन्सी (नोटों तथा सिक्कों) के रूप में विद्यमान है। उच्च शक्ति मुद्रा बैंक जमाओं के विस्तार और मुद्रा-पूर्ति के निर्माण का आधार है। उच्च शक्ति मुद्रा के प्रयोग के अर्न्तगत कानूनी सीमा के लिए कामर्शियल बैंकों की मांग अथवा केन्द्रीय बैंक के पास आवश्यक रिजर्व तथा अतिरिक्त रिजर्व और करेन्सी के लिए जनता की मांग शमिल है। उच्च शक्ति मुद्रा H=C+RR+ER जहाँ C करेन्सी को, RR आवश्यक रिजर्व को और ER अतिरिक्त रिजर्व को व्यक्त करते हैं।

11. When the intrinsic value and face value of money is same, then it is known as :
जब मुद्रा का आंतरिक मूल्य एवं अंकित मूल्य समान हो, तो इसे जाना जाता है :

(a) Token Money / सांकेतिक मुद्रा के रूप में

(b) Full Bodied Money / संपूर्ण काय मुद्रा के रूप में

(c) Quasi Money / आभास मुद्रा के रूप में

(d) Fiat Money / अधिदिष्ट मुद्रा के रूप में

Ans. (b) : जब मुद्रा का आंतरिक मूल्य एवं अंकित मूल्य समान हो, तो इसे सर्म्पूण कार्य मुद्रा के रूप में जाना जाता है। सम्पूर्ण काय मुद्रा का सम्बन्ध उस मुद्रा से है जो सिक्कों के रूप में होती है। यदि सिक्के पर अंकित मूल्य और उसमें लगी धातु का मूल्य बराबर है तो ऐसे सिक्के को पूर्णकाय मुद्रा कहा जाता है। उदाहरणतः अंग्रेजों के शासनकाल में एक रूपये का सिक्का चाँदी का बना होता था। इस सिक्के का वस्तु मूल्य इसके मौद्रिक मूल्य के बराबर हुआ करता था।

12. A restrictive monetary Fiscal policy is a good way to deal with :
एक प्रतिबन्धात्मक मौद्रिक राजकोषीय नीति एक अच्छा रास्ता है :

(a) Demand pull inflation/माँगजन्य स्फीति से निपटने का
(b) Cost push inflation/लागतजन्य स्फीति से निपटने का
(c) Stagnation / स्थिरता से निपटने का
(d) Any Sort of inflation that occurs when the economy is before full employment/ अर्थव्यवस्था के पूर्ण रोजगार से नीचे रहने की स्थिति में होने वाली किसी भी स्फीति से निपटने का

Ans. (d) : अर्थव्यवस्था के पूर्ण रोजगार से नीचे रहने की स्थिति में होने वाली किसी भी स्फीति से निपटने का एक प्रतिबन्धात्मक मौद्रिक नीति और राजकोषीय नीति एक अच्छा रास्ता है। वह हस्तक्षेपक नीति द्वारा मौद्रिक अधिकारी आर्थिक क्रियाओं को सुचारू रूप से सम्पादित होने देता है तथा अर्थव्यवस्था में आर्थिक स्थिरता बनाये रखता है, उसे मौद्रिक नीति कहते है।

सार्वजनिक व्यय, करारोपण,सार्वजनिक ऋण तथा हीनार्थ प्रबन्ध से सम्बन्धित नीति को ही राजकोषीय नीति कहते है।

13. According to Keynes 'Theory of Liquidity Preference' velocity increases when
केन्स के तरलता पसंदगी सिद्धांत के अनुसार वेग बढ़ता है जब

(a) Income increases / आय बढ़ती है
(b) Wealth increases / सम्पदा बढ़ती है
(c) Interest rate increases / ब्याज दर बढ़ती है
(d) The money supply falls / मुद्रा की पूर्ति गिरती है

Ans. (c) : कीन्स के तरलता पसंदगी सिद्धान्त के अनुसार वेग बढ़ता है जब ब्याज दर बढ़ती है। कीन्स ने अपनी पुस्तक General Theory में मुद्रा की मांग के लिए एक नया शब्द ''तरलता अधिमान'' प्रयोग किया उसने तीन उद्देश्य सुझाये जो अर्थव्यवस्था में मुद्रा की मांग लाते है।

1. लेन-देन मांग 2. सतर्कता मांग और 3. सट्टा मांग

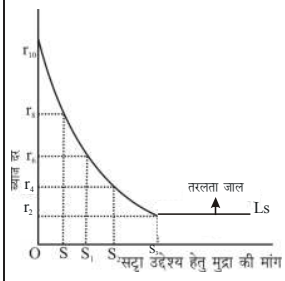

14. Which one of the following indicators is not used in the determination of Gender Development Index in the Human Development Report?
निम्नांकित संकेतकों में से कौन-सा एक मानव विकास रिपोर्ट में लिंग विकास सूचकांक के निर्धारण में प्रयोग नहीं किया जाता है?

(a) Life expectancy of female
महिला की जीवन प्रत्याशा
(b) Female adult literacy and gross enrollment
महिला प्रौढ़-साक्षरता एवं सकल नामांकन
(c) Female political empowerment
महिला राजनैतिक सशक्तिकरण
(d) Female per capita income
महिला प्रति व्यक्ति आय

Ans. (c) : मानव विकास रिपोर्ट में लिंग विकास सूचकांक के निर्धारण में निम्न आयामों का प्रयोग किया जाता है-

1. महिला की जीवन प्रत्याशा
2. महिला प्रौढ़-साक्षरता एवं सकल नामांकन
3. महिला प्रति व्यक्ति आय

लैंगिक विकास सूचकांक (पुरुष तथा महिला के आधार पर) एच0डी0आई0 में विषमता की माप प्रस्तुत करता है। लिंग के अनुसार एच0डी0आई0 में विषमता को ध्यान में रखता है। लैंगिक विकास सूचकांक औसत उपलब्धि को इस प्रकार समायोजित करता है जिससे यह पुरुषों तथा स्त्रियों के बीच विषमता को प्रदर्शित कर सके। वर्ष 2019 के लिए भारत का लैंगिक विकास सूचकांक स्कोर 0.820 (विश्व का 0.943) है।

15. Global Hunger Index is prepared by :
वैश्विक भूख सूचकांक तैयार किया जाता है :

(a) W.H.O. / डब्ल्यु.एच.ओ. द्वारा
(b) F.A.O. / एफ.ए.ओ. द्वारा
(c) I.L.O. / आई.एल.ओ. द्वारा
(d) I.F.P.R.I. / आई.एफ.पी.आर.आई. द्वारा

Ans. (d) :वैश्विक भूख सूचकांक आई0एफ0पी0आर0आई0 द्वारा तैयार किया जाता है। वैश्विक भुखमरी सूचकांक (GHI) 2021में भारत को 116 देशों में 101वाँ स्थान प्राप्त हुआ है। वर्ष 2020 में भारत 94 वें स्थान पर था। इसकी गणना चार संकेतकों के आधार पर की जाती है-

1. अल्पपोषण- अपर्याप्त कैलोरी सेवन वाली जनसंख्या
2. चाइल्ड वेस्टिंग-पाँच साल से कम उम्र के बच्चों का हिस्सा,जिनका वजन उनकी ऊँचाई के हिसाब से कम है, यह कुपोषण को दर्शाता है।
3. चाइल्ड स्टंटिंग-पाँच साल से कम उम्र के बच्चों का हिस्सा, जिनका वजन उनकी उम्र के हिसाब से कम है, यह कुपोषण को दर्शाता है।
4. बाल मृत्यु दर-पाँच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर।

16. **Social Sustainability includes which among the following :**
निम्नांकित में से कौन सामाजिक धारणीयता में समाहित किया जाता है?

1. Gender equality/ लैंगिक समानता

2. Development of people, communities and cultures/ व्यक्तियों, समुदायों और संस्कृतियों का विकास

3. Healthcare and education across the globe/ वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य देखभाल एवं शिक्षा

4. Environment protection/ पर्यावरण संरक्षण

(a) 1, 2 and 3 / 1, 2 और 3
(b) 1, 3 and 4 / 1, 3 और 4
(c) 2, 3 and 4 / 2, 3 और 4
(d) All 1, 2, 3 and 4 / 1, 2, 3 और 4 सभी

Ans. (a) :सामाजिक धारणीयता में निम्नलिखित को समाहित किया जाता हैं-
1. लैंगिक समानता
2. व्यक्तियों, समुदायों और संस्कृतियों का विकास
3. वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य देखभाल एवं शिक्षा

17. **Which one of the following is an example of social overhead?**
निम्नांकित में से कौन-सा एक सामाजिक उपरिव्यय का उदाहरण है?

(a) Power / शक्ति
(b) Transport / परिवहन
(c) School / विद्यालय
(d) Communication/संचार

Ans. (c) :विद्यालय एक सामाजिक उपरिव्यय का उदाहरण है। सामाजिक उपरि-पूँजी (SOC) की परिभाषा यह दी गयी है। कि इसमें ''वे आधारभूत सेवाएं शामिल होती हैं जिनके बिना प्राथमिक, द्वितीयक तथा तृतीयक उत्पादक क्रियायें नही चल सकती।'' शिक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य, संचार, परिवहन और प्रचलित सार्वजनिक सेवाओं जैसे रोशनी, पानी , विद्युत, सिंचाई, जलविकास की स्कीमों इत्यादि पर होने वाले निवेश SOC में शमिल हैं।

18. **Which one of the features is not correct of the Prime Minister Jan Dhan Yojana (PMJDY)?**
प्रधानमंत्री जन, धन योजना की निम्नलिखित में से कौन-सी एक विशेषता सही नहीं है?

(a) This scheme was started in the year 2014.
यह योजना वर्ष 2014 में शुरू की गई थी।
(b) This scheme aims at providing financial services to all. / इस योजना का उद्देश्य सभी को वित्तीय सेवा प्रदान करना था।
(c) This scheme holder cannot withdraw through Ru Pay debit card. / इस योजना के अंतर्गत रू पे डेबिट कार्ड से धन नहीं निकाला जा सकता है।
(d) Under the scheme an account can be opened by presenting an officially valid document
इस योजना में खाता खोलने के लिए किसी सत्यापित डोक्यूमेंट की आवश्यकता होती है।

Ans. (c) :प्रधानमंत्री जन धन योजना की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं-
1. यह योजना वर्ष 2014 में शुरु की गयी थी।
2. इस योजना का उद्देश्य सभी को वित्तीय सेवा प्रदान करना था।
3. इस योजना में खाता खोलने के लिए किसी सत्यापित डॉक्यूमेंट की आवश्यकता होती है।
4. सभी परिवारों को ओवर ड्राफ्ट (6 महीने बाद 5000. रूपये) तथा रूपे डेबिट कार्ड के साथ मूल बैंकिग खाता प्रदान करना।
5. वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम।
6. सूक्ष्म बीमा।
7. ओवर ड्राफ्ट खातों में चूक को कवर करने के लिए क्रेडिट गारंटी फंड की स्थापना।
8. स्वावलंबन जैसी असंगठित क्षेत्र पेंशन योजना।

19. **'Gobardhan' yojana aims at :**
'गोवर्धन' योनजा लक्ष्य करती है :

(a) Horticulture / उद्यानिकी पर
(b) Organic farming / जैविक कृषि पर
(c) Improving fertility / उर्वरता वृद्धि पर
(d) Generating bio-gas / जैविक गैस निर्माण पर

Ans. (d) :बजट 2018-19 में गोबर-धन (Galvanizing organic Bio-Agro Resource Dhan-GOBAR-DHAN) योजना शुरु करने की घोषणा की गयी थी। इस योजना के मुख्यतः दो उद्देश्य है- गाँवों को स्वच्छ बनाना एवं पशुओं और अन्य प्रकार के जैविक अपशिष्ट से अतिरिक्त आय तथा ऊर्जा उत्पन्न करना। गोबर धन योजना के अंतर्गत पशुओं के गोबर और खेतों के ठोस अपशिष्ट पदार्थों को कम्पोस्ट, बायोगैस, बायो-CNG में परिवर्तित किया जायेगा। इसका लक्ष्य उद्यमियों को जैविक खाद, बायो गैस बायो-CNG उत्पादन के लिए गाँवों के क्लस्टर्स बनाकर इनमें पशुओं का गोबर और ठोस अपशिष्टों के एकत्रीकरण और संग्रहण को बढ़ावा देना है।

20. **Model L and Leasing Bill has been proposed by which among the following?**
मॉडल लैण्ड लीजिंग बिल निम्नांकित में से किस के द्वारा प्रस्तावित किया गया है?

(a) Ministry of Rural Development / ग्रामीण विकास मंत्रालय
(b) Ministry of Agriculture / कृषि मंत्रालय

(c) Ministry of Home Affairs / गृह मामले मंत्रालय

(d) NITI Aayog / नीति आयोग

Ans. (d) : मॉडल लैण्ड लीजिंग बिल नीति आयोग द्वारा प्रस्तावित किया गया है। इस बिल का उद्देश्य किसानों और कृषक समूहों को स्वामित्व को कमजोर किये बिना कानूनी दस्तावेज के माध्यम से खेती के लिए अपनी जमीन पट्टे पर देने में सक्षम बनाकर किसानों के हितों की रक्षा करना है। चूँकि भूमि राज्य का विषय है इसलिए मॉडल कानून सभी राज्यों द्वारा लागू किया जाना चाहिए।

21. Diseconomics of scale is related with :
पैमाने की अमितव्ययितायें संबंधित है :

(a) Real Internal Diseconomics
वास्तविक आंतरिक अमितव्ययितायें

(b) Pecuniary Internal Diseconomies
आर्थिक आंतरिक अमितव्ययितायें

(c) Pecuniary External Diseconomies
आर्थिक बाह्य अमितव्ययितायें

(d) All of the above / उपरोक्त सभी

Ans. (d) : पैमाने की अमितव्ययिता या हानि उस समय पायी जाती है जब अधिक उत्पादन से प्रति इकाई लागत बढ़ती है। पैमाने की किफायतें अनिश्चित रुप से निरन्तर उपलब्ध होती नहीं रह सकती। किसी फर्म अथवा उद्योग के जीवन में ऐसा समय आता है जब आगे विस्तार से किफायतों की बजाय अमितव्ययिताएँ उत्पन्न होने लगती है। पैमाने की अभितव्ययितायें निम्न से सम्बन्धित हैं–

(i) वास्तविक आंतरिक अमितव्ययिताएँ

(ii) आर्थिक आंतरिक अमितव्ययिताएँ

(iii) आर्थिक बाह्य अमितव्ययिताएँ

22. In case of inferior goods, income effect is :
निकृष्ट वस्तुओं की दशा में, आय प्रभाव होता है :

(a) Zero / शून्य

(b) Negative / ऋणात्मक

(c) Positive / धनात्मक

(d) Infinity / अनन्त

Ans. (b) : निकृष्ट वस्तुओं की दशा में आय प्रभाव ऋणात्मक होता है। यदि कोई उपभोक्ता आय के बढ़ने पर वह किसी वस्तु की कम मात्रा क्रय करे तो वस्तु निकृष्ट कोटि की कही जायेगी। कोई वस्तु स्वभाव से या ठोस वर्गीकरण के अन्दर सामान्य या निकृष्ट नहीं होती, वह उपभोक्ता के आय के सन्दर्भ में सामान्य, निकृष्ट होगी। इस प्रकार एक ही वस्तु आय के कुछ स्तर तक तो सामान्य हो सकती है और कुछ स्तर के बाद निकृष्ट कोटि की हो सकती है। आय उपभोग वक्र का ढाल यह प्रदर्शित करता है कि वस्तु सामान्य है या निकृष्ट कोटि की।

23. Selling cost concept is relevant under :
विक्रय लागत आवधारणा प्रासंगिक है :

(a) Perfect competition / पूर्ण प्रतियोगिता के अंतर्गत

(b) Monopoly / एकाधिकार के अंतर्गत

(c) Monopolistic competition
एकाधिकारिक प्रतियोगिता के अंतर्गत

(d) Oligoploy / अल्पाधिकार के अंतर्गत

Ans. (c) : विक्रय लागत अवधारणा एकाधिकारिक प्रतियोगिता से प्रासंगिक है। विक्रय लागत से अभिप्राय उस लागत से है जो कोई एकाधिकारी फर्म उपभोक्ता के दिमाग में यह बैठाने के लिए करती है कि उसकी वस्तु अन्य प्रतिद्वन्दी फर्मों से उत्तम हैं। इसके अर्न्तगत वस्तु को विभेदित करने तथा अन्य फर्मों के उत्पादों से अपने उत्पाद को उत्तम सिद्ध करने के लिए किये गये सभी व्यय आते है पर इसमें विज्ञापन व्यय विशेष रुप से आता है। विक्रय लागत के सम्बन्ध में प्रो0 चैम्बरलिन यह तर्क देते हैं कि यह U आकर की होगी। उनके अनुसार प्रारम्भ में विज्ञापन व्यय के कारण मितव्ययितायें जनित हो सकती हैं। इसलिए लागत घटेगी पर कुछ सीमा के बाद अमितव्ययितायें जन्म ले सकती हैं, इसलिए लागत वक्र ऊपर उठेगी।

24. Which of the following is related to Engel Curve?
निम्नांकित में से कौन एन्जिल वक्र से संबंधित है?

(a) Price Consumption Curve / कीमत उपभोग वक्र

(b) Diminishing Marginal Rate of Substitution Curve / प्रतिस्थापन की घटती सीमान्त दर वक्र

(c) Income consumption curve / आय उपभोग वक्र

(d) Supply curve / पूर्ति वक्र

Ans. (c) : एंजिल वक्र आय उपभोग वक्र से सम्बन्धित है। एंजिल एक जर्मन सांख्यिक थें। इन्होंने अलग-अलग आय समूह के पारिवारिक बजट का अध्ययन किया। उन्होंने आय तथा विभिन्न वस्तुओं या वस्तुओं के वर्गों के सम्बन्ध में किये गये उपभोक्ता व्ययों के बची पाये जाने वाले सम्बन्ध का विश्लेषण किया। उन्होंने यह निष्कर्ष दिया कि जैसे-जैसे आय बढ़ती हैं-

(क) भोजन पर होने वाले व्यय के अनुपात में कमी आयेगी।

(ख) मकान तथा कपड़े पर होने वाले व्यय का अनुपात स्थिर रहेगा, तथा

(ग) अन्य सभी वस्तुओं जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, मनोरंजन आदि पर होने वाले व्यय के अनुपात में वृद्धि होगी।

रेखाचित्र में लम्ब अक्ष पर व्यय की मात्रा प्रदर्शित हैं, x' भोजन पर व्यय, y' मकान तथा कपड़े पर व्यय, z' शिक्षा स्वास्थ्य तथा मनोरंजन पर व्यय प्रदर्शित करते हैं।

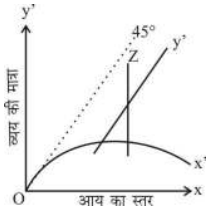

25. From the following which is not he assumption of indifference curve?
निम्नांकित में से कौन-सी मान्यता तटस्थता वक्र की नहीं है?

(a) Weak ordering / कमजोर क्रमवाचकता
(b) Constant Income / स्थिर आय
(c) Perfect Divisibility of goods
वस्तुओं की पूर्ण विभाज्यता
(d) Ordinal Nature of Utility
उपयोगिता की क्रमवाचक प्रकृति

Ans. (c) : तटस्थता वक्र की मान्यतायें निम्नलिखित हैं-
1. उपभोक्ता विवेकपूर्ण है।
2. उपभोक्ता को परिस्थितियों का पूर्ण ज्ञान है।
3. उपयोगिता का क्रम-वाचक माप सम्भव है।
4. तटस्थता वक्र विश्लेषण निर्बल क्रमबद्वता पर आधारित है।
5. तटस्थता वक्र प्रतिस्थापन की सीमान्त दर की घटती हुयी मान्यता पर आधारित है।
6. तटस्थता वक्र अधिमान के सम्बन्ध में सकर्मकता तथा स्थिरता सम्बन्ध पर आधारित है।

26. Sales maximization model is propounded by :
बिक्री अधिकतमीकरण मॉडल प्रतिपादित किया गया है-

(a) Marris / मैरिस द्वारा
(b) Williamson / विलियमसन द्वारा
(c) Baumol / बॉमल द्वारा
(d) All of the above / उपरोक्त सभी द्वारा

Ans. (c) : प्रो0 बोमल ने अपनी पुस्तक Business Behaviour, value and Growth (1967) में विक्रय अधिकतमीकरण पर आधारित फर्म का प्रबंधकीय सिद्वान्त प्रस्तुत किया है। बोमल ने विक्रय अधिकतमीकरण के दो मॉडलों की व्याख्या की है, एक स्थैतिक मॉडल और दूसरा गत्यात्मक मॉडल। यह मॉडल निम्नलिखित मान्यताओं पर आधारित है-
1. फर्म की एक समय अवधि सीमा है।
2. फर्म दीर्घकाल में अपने कुल विक्रय आगम को अधिकतम करने का उद्देश्य रखती है जो उसके लाभ प्रतिबंध से बाध्य है।
3. फर्म का न्यूनतम प्रतिबंध उसके शेयरों के बाजार मूल्य के रूप में प्रतियोगितात्मक तौर से निश्चित किया जाता है।
4. फर्म अल्पाधिकरात्मक हैं जिसके लागत वक्र U आकृति के है और मांग वक्र नीचे की ओर ढालू हैं।

27. The concept of Saucer-shaped shor-run average variable cost (SAVC) curve is introduced by :
तश्तरी आकार की अल्पकालीन औसत परिवर्तनशील लागत वक्र की अवधारणा प्रस्तावित की गयी है :

(a) Hicks / हिक्स द्वारा
(b) Joan Robinson / जॉन राबिन्सन द्वारा
(c) Stigler / स्टिगलर द्वारा
(d) Slutsky / स्लट्स्की द्वारा

Ans. (c) : तश्तरी आकार की अल्पकालीन औसत परिवर्तनशील लागत वक्र (SAVC) की अवधारणा स्टिगलर द्वारा प्रस्तावित की गयी है। आधुनिक सिद्धान्त में SAVC और SMC वक्रों की आकृति U आकृति न होकर तश्तरी या कटोरा आकृति होती है। एक आधुनिक फर्म ऐसा प्लांट चुनती है जो वह उपलब्ध परिवर्तनशील प्रत्यक्ष साधनों से सुगमता के साथ चला सकती हैं। ऐसे प्लांट में कुछ रिजर्व क्षमता और बहुत लोचशीलता पायी जाती है। फर्म अपनी वस्तु की मांग में वृद्धि को पूरा करने हेतु विस्तृत रेंज में अधिकतम उत्पादन की दर उत्पादित करने के लिए इस प्रकार के प्लांट को स्थापित करती हैं। तश्तरी-आकार के SAVC और SMC वक्रों को चित्र द्वारा दिखाया गया हैं-

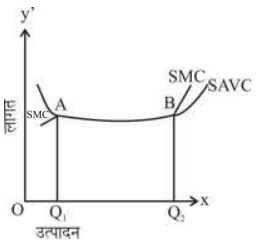

28. Who has given the concept of Input-Output Technique?
आगत-निर्गत तकनीक की अवधारणा किसने दी है?

(a) A. Sen / ए. सेन
(b) Keynes / केन्ज
(c) Urjit Patel / उर्जित पटेल
(d) Leontiff / लियोन्टीफ

Ans. (d) : आगत-निर्गत आयोजन की एक नयी तकनीक हैं जिसका आविष्कार प्रो0 बैसिली डब्ल्यू. लियोन्टीफ ने 1951में किया। अर्थव्यवस्था की परस्पर निर्भरताओं तथा जटिलताओं को समझने के लिए अन्तः उद्योग के सम्बन्धों का विश्लेषण करने के लिए इसका प्रयोग किया जाता है और उस विश्लेषण से इस प्रकार पूर्ति और माँग में संतुलन बनाये रखने की स्थितियों को समझा जा सकता है। इस प्रकार यह तकनीक अर्थव्यवस्था के सामान्य संतुलन की व्याख्या करती है। इसे ''अन्तः उद्योग विश्लेषण'' भी कहते हैं।

29. Shift in LM curve takes place due to :
LM वक्र में परिवर्तन का कारण होती है :

(a) Increase in autonomous investment
स्वायत्त निवेश में वृद्धि
(b) Increase in Money Supply
मुद्रा की आपूर्ति में वृद्धि
(c) Increase in consumption / उपभोग में वृद्धि
(d) Increase in saving rate / बचत की दर में वृद्धि

Ans. (b) : LM वक्र में परिवर्तन का कारण मुद्रा की आपूर्ति में वृद्धि से होता है। मुद्रा आपूर्ति की वृद्धि से LM वक्र दाईं ओर सरक कर LM_1 वक्र हो जाता है। जिसे चित्र में दिखाया गया है। जब मुद्रा आपूर्ति बढ़ती है तो एक दिये गये कीमत स्तर पर ब्याज दर में कमी होती है। ब्याज दर में कमी से निवेश की मांग बढ़ती है जिससे आय में वृद्धि होती है, जो आगे उपभोग मांग बढ़ाती है। ब्याज दर में कमी तथा आय में वृद्धि संयुक्त रूप से कुल मांग और राष्ट्रीय आय में वृद्धि लाती है।

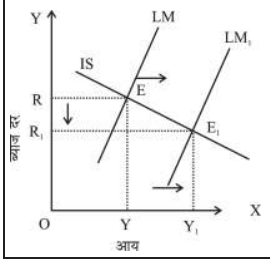

30. The money demand equation in Milton Friedman Quantity Theory of Money does not contain :
मिल्टन फ्रीडमैन के मुद्रा परिणाम सिद्धांत में मुद्रा की माँग समीकरण में सम्मिलित नहीं है :

(a) Expected rate of return on bonds
बॉण्ड पर लाभ की प्रत्याशित दर

(b) Expected rate of return on equities
इक्विटीज पर लाभ की प्रत्याशित दर

(c) The real income / वास्तविक आय

(d) The level of liquidity / तरलता का स्तर

Ans. (d) : फ्रीडमैन अपने नवीनतम अनुभवसिद्ध अध्ययन Monetary trends in the United States and the United Kingdom (1982) में एक व्यक्तिगत संपत्ति धारक के मुद्रा के मांग फलन को सरल ढंग से अपने 1956 के मूल अध्ययन से कुछ भिन्न संकेत चिन्हों से व्यक्त करता हैं-

$M/P = f(Y, W, R_m, R_b, R_e, g_p, \mu)$

जहाँ M मांगी गयी मुद्रा का कुल स्टॉक, P कीमत स्तर, Y वास्तविक आय है, W गैर-मानव रूप में संपत्ति का अंश है, R_m मुद्रा पर प्रत्याशित मुद्रा रूप की दर है, R_b बांडो पर प्रत्याशित प्रतिफल की दर है, R_e ईक्विटियों पर प्रत्याशित मुद्रा रूप प्रतिफल की दर है, $gp = (1/p)(d_P/d_t)$ वस्तुओं की कीमतों में होने वाले परिवर्तन की प्रत्याशित दर हैं, और μ (म्यू) आय के अलावा अन्य चरों के लिए है जो मुद्रा की सेवाओं से सम्बद्ध उपयोगिता को प्रभावित कर सकते हैं। जैसे रूचियां, अधिमान आदि।

31. What is the slope of general LM Curve?
सामान्य LM वक्र का ढाल क्या होता है?

(a) Zero / शून्य

(b) Positive / धनात्मक

(c) Infinity / अनन्त

(d) Zero in Keynesian range, positive in intermediate range and infinity in classical range/केन्जीय सीमा में शून्य, मध्यवर्ती सीमा में धनात्मक तथा क्लासिकी सीमा में अनन्त

Ans. (d) : सामान्य LM वक्र का ढ़ाल कीन्सीय सीमा में शून्य, मध्यवर्ती सीमा में धनात्मक तथा क्लासिकी सीमा में अनन्त होता है। LM वक्र बायीं से दायीं ओर ऊपर को ढलान वाला होता है क्योंकि मुद्रा की पूर्ति दी होने पर आय के स्तर में वृद्धि मुद्रा की मांग में भी वृद्धि लाती है जिससे ब्याज दर बढ़ती है। यह आगे मुद्रा की मांग को कम कर देती है और इस प्रकार मुद्रा की मांग को मुद्रा की पूर्ति के बराबर रखती है। मुद्रा की मांग की आय के सापेक्षता जितनी कम होगी और मुद्रा की मांग की ब्याज दर के साथ सापेक्षता जितनी अधिक होगी, उतना ही LM वक्र चपटा होगा। यदि आय में परिवर्तन से ब्याज की दर पर अधिक प्रभाव पड़ता है, तो LM वक्र तिरछा होगा ऐसी स्थिति में, मुद्रा की मांग की आय के साथ सापेक्षता अधिक होती है और ब्याज दर के साथ कम। यदि मुद्रा की मांग ब्याज दर के साथ निरपेक्ष होती है, तो LM वक्र अनुलम्ब होगा, अर्थात पूर्णतया बेलोच।

32. The change in tax rates is a tool of :
कर की दरों में परिवर्तन, उपकरण है :

(a) Monetary Policy / मौद्रिक नीति का

(b) Fiscal Policy / राजकोषीय नीति का

(c) Labour Policy / श्रम नीति का

(d) Population policy / जनसंख्या नीति का

Ans. (b) : कर की दरों में परिवर्तन राजकोषीय नीति का उपकरण है। राजकोषीय नीति आर्थिक नीति का एक प्रमुख घटक है, जिसके अर्न्तगत सार्वजनिक व्यय, करारोपण, सार्वजनिक ऋण तथा हीनार्थ प्रबंधन से सम्बन्धित नीतियां होती हैं। इनका प्रबंधन वित्त मंत्रालय द्वारा किया जाता है। राजकोषीय नीति के उपकरण निम्न हैं-

1. करारोपण
2. सार्वजनिक व्यय
3. सार्वजनिक ऋण
4. हीनार्थ प्रबंधन

33. What is the slope of long-run Phillips Curve?
दीर्घकालीन फिलिप्स वक्र का आकार कैसा होता है?

(a) Parallel to the unemployment rate axis
बेरोजगारी दर अक्ष के समानान्तर

(b) Falling towards the unemployment rate axis
बेरोजगारी दर अक्ष की ओर गिरता हुआ

(c) Increasing towards the unemployment rate axis / बेरोजगारी दर अक्ष से ऊपर उठता हुआ

(d) Vertical on unemployment rate axis
बेरोजगारी दर अक्ष पर लम्बवत्

Ans. (d) दीर्घकालीन फिलिप्स वक्र का आकार बेरोजगारी दर अक्ष पर लम्बवत होता है। इसकी व्याख्या करने के लिए फ्रीडमैन 'बेरोजगारी की प्राकृतिक दर' की धारणा को प्रस्तुत करता है। यह बेरोजगारी की वह दर है जिस पर अर्थव्यवस्था प्रायः अपनी संरचनात्मक त्रुटियों के कारण टिकती है। यह वह बेरोजगारी दर है जिसके नीचे स्फीति दर बढ़ती है और जिसके ऊपर स्फीति दर घटती है। इस दर पर स्फीति दर की प्रवृत्ति न तो बढ़ने की और न ही घटने की होती है। इस प्रकार बेरोजगारी की प्राकृतिक दर को बेरोजगारी की ऐसी दर के रुप में परिभाषित किया जाता है। जिस पर स्फीति की वास्तविक दर और स्फीति की प्रत्याशित दर बराबर होती है। अतः यह बेरोजगारी की एक संतुलन दर है जिस ओर अर्थव्यवस्था दीर्घकाल में जाती है। दीर्घकाल में, बेरोजगारी की प्राकृतिक दर पर फिलिप्स वक्र एक अनुलम्ब रेखा होती हैं

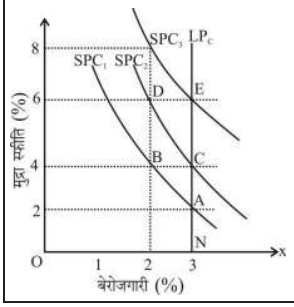

34. Which of the following is not a component of fiscal policy?
निम्नांकित में से कौन-सा राजकोषीय नीति का घटक नहीं है?

(a) Public Revenue / सार्वजनिक आय
(b) Public Expenditure / सार्वजनिक व्यय
(c) Taxation / करारोपण
(d) Money Supply / मुद्रा आपूर्ति

Ans. (d) : : राजकोषीय नीति आर्थिक नीति का एक प्रमुख घटक हैं, जिसके अंतर्गत सार्वजनिक व्यय, करारोपण, सार्वजनिक ऋण तथा हीनार्थ प्रबंधन से सम्बन्धित नीतियाँ होती हैं। इनका प्रबंधन वित्त मंत्रालय द्वारा किया जाता है, राजकोषीय नीति के उद्देश्य निम्नलिखित हैं-

(i) संसाधनों को गतिशील कर विकास को बढ़ावा देना।
(ii) संसाधनों के कुशल आबंटन को सुनिश्चित करना।
(iii) मूल्य स्थिरता और मुद्रा स्फीति पर नियंत्रण।
(iv) रोजगार सृजन को बढ़ावा देना।
(v) संतुलित क्षेत्रीय विकास को सुनिश्चित करना।
(vi) पूंजी निर्माण करना।

35. Multi-dimensional poverty Index (M.P.I.) is included in :
बहु-आयामी निर्धनता सूचकांक (M.P.I.) को समाविष्ट किया जाता है :

(a) World Human Report/विश्व मानव रिपोर्ट में
(b) Human Development Report
मानव विकास रिपोर्ट में
(c) World Development Report
विश्व विकास रिपोर्ट में
(d) India's Human Development Report
भारत की मानव विकास रिपोर्ट में

Ans. (d) : एच0डी0आर0 2010 में विकसित बहुआयामीय निर्धनता सूचकांक की धारणा 'उपलब्धता (कैपेबिलिटी) प्रतयागम' (अमर्त्य सेन) पर आधारित है। इसे यू0एन0डी0पी0 के साथ से आक्सफोर्ड पावरटी एण्ड ह्यूमन डेवलपमेंट इनीसियेटिव द्वारा विकसित किया गया । यह निर्धनता की माप का अधिक व्यापक दृष्टिकोण हैं क्योंकि यह निर्धनता की केवल आय वंचन के रूप में न लेकर बहुआयमीय वंचन-खराब स्वास्थ्य तथा कुपोषण, अल्प शिक्षा तथा कौशल, अपर्याप्त जीवन निर्वाह, खराब आवासीय व्यवस्था, सामाजिक अपवर्जन के रूप में लेता है।

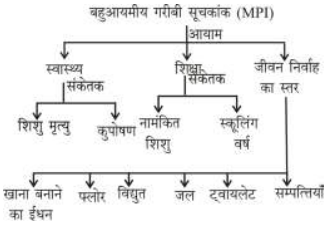

ऊपर दिये गये चार्ट से स्पष्ट है कि एम0पी0बाई0 को प्रभावित करने वाले 10 संकेतक है जो मुख्य आयाम-स्वास्थ्य, शिक्षा तथा जीवन निर्वाह स्तर से सम्बन्धित हैं।

36. Hick's neutral technical progress is described as :
हिक्स के तटस्थ तकनीकी प्रगति को वर्णित किया जाता है :

(a) Labour Augmenting / श्रम संवर्धनकारी रूप में
(b) Capital Augmenting / पूँजी संवर्धनकारी रूप में
(c) Both Labour and Capital Augmenting
दोनों–श्रम और पूँजी संवर्धनकारी रूप में
(d) None of the above / उपरोक्त में कोई नहीं

Ans. (c) : हिक्स के तटस्थ तकनीकी प्रगति को श्रम और पूँजी संवर्धनकारी रूप मे वर्णित किया जाता है। हिक्स के अनुसार एक अविष्कार तब तटस्थ कहा जाता है जब यह श्रम तथा पूँजी की सीमान्त उत्पादकता को उसी अनुपात में बढ़ाया जाता है दूसरे शब्दों में, एक तकनीकी परिवर्तन तटस्थ तब रहता है। जब एक स्थिर पूँजी-श्रम अनुपात पर श्रम के साथ पूँजी के सीमान्त उत्पादन का अनुपात अपरिवर्तित रहता है। हिक्स का तटस्थ तकनीकी परिवर्तन चित्र में दो भिन्न उत्पादन फलनों की तुलना करते हुए दिखाया गया है। अनुलम्ब अक्ष प्रति व्यक्ति उत्पादन को प्रकट करता है। जो q है (Q/L जहाँ Q उत्पादन को दर्शाता है तथा L श्रम आगत। को क्षैतिज

अक्ष पर पूँजी श्रम अनुपात K को (K/L जहाँ K तथा L भौतिक इकाइयों में पूँजी तथा श्रम आगत को प्रकट करते हैं।)

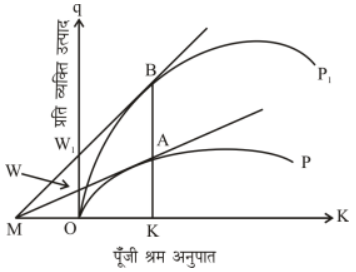

37. What is the basis of distinct difference between economic growth and economic development?
आर्थिक संवृद्धि और आर्थिक विकास के मध्य सुस्पष्ट अंतर का आधार क्या है?

(a) Economic Progress / आर्थिक प्रगति
(b) Economic Welfare / आर्थिक कल्याण
(c) Qualitative Change in Life
जीवन में गुणात्मक परिवर्तन
(d) Secular change / दीर्घकालीन परिवर्तन

Ans. (c) : आर्थिक संवृद्धि और आर्थिक विकास के मध्य सुस्पष्ट अंतर का आधार जीवन में गुणात्मक परिवर्तन है। किसी भी अर्थव्यवस्था में हो रही आर्थिक क्रियायें दीर्घकाल में दो प्रकार के परिवर्तनों को जन्म देती हैं। (क) समग्र चरों जैसे सकल राष्ट्रीय आय, प्रति व्यक्ति आय में परिवर्तन जिन्हें नापा जा सकता है, ऐसे परिवर्तनों को आर्थिक संवृद्धि कहते हैं। (ख) इन परिवर्तनों के साथ-साथ जब अर्थव्यवस्था में गुणात्मक परिवर्तनों को भी सम्मिलित कर लेते हैं तो इसे आर्थिक विकास कहते हैं। जहाँ आर्थिक संवृद्धि परिमाणात्मक परिवर्तन से सम्बन्धित है, आर्थिक विकास परिमाणात्मक तथा गुणात्मक दोनों प्रकार के परिवर्तनों से सम्बन्धित हैं, जहाँ आर्थिक संवृद्धि वस्तुनिष्ठ हैं, वहीं आर्थिक विकास व्यक्तिनिष्ठ है। आर्थिक विकास तभी कहा जायेगा जबकि जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो।

38. Harrod's model of economic growth does not consider :
हैरॉड का आर्थिक संवृद्धि मॉडल विचार नहीं करता :

(a) a steady rate of growth
किसी स्थिर संवृद्धि दर पर
(b) a minimum rate of growth
किसी न्यूनतम संवृद्धि दर पर
(c) warranted rate of growth/बांच्छित संवृद्धि दर पर
(d) the natural rate of growth/प्राकृतिक संवृद्धि दर पर

Ans. (b) : हैरॉड का आर्थिक संवृद्धि मॉडल वृद्धि की तीन भिन्न दरों पर आधारित है। प्रथम G द्वारा व्यक्त वास्तविक वृद्धि दर, जिसे बचत अनुपात तथा पूंजी-उत्पादन अनुपात निर्धारित करते हैं। यह वृद्धि की दर अल्पकालीन चक्रीय परिवर्तनों को प्रकट करती है। दूसरे Gw द्वारा व्यक्त अभीष्ट वृद्धि दर या वांछित वृद्धि दर जो किसी अर्थव्यवस्था की आय की पूर्ण क्षमता वृद्धि दर होती है। तीसरे Gn द्वारा व्यक्त सहज या प्राकृतिक संवृद्धि दर है जिसे हैरड 'कल्याण-इष्टतम' मानता है। इसे वृद्धि की संभाव्य अथवा पूर्ण रोजगार-दर भी कहते हैं।

39. Which one of the following models, analyses the contribution of technological to the overall growth rate?
निम्नांकित में से कौन-सा मॉडल समग्र संवृद्धि दर पर तकनीकी प्रगति के योगदान का विश्लेषण करता है?

(a) Solow model / सोलो मॉडल
(b) Kaldor model / काल्डोर मॉडल
(c) Harrod model / हैरॉड मॉडल
(d) Tobin model / टोबिन मॉडल

Ans. (a) : सोलो मॉडल समग्र संवृद्धि दर पर तकनीकी प्रगति के योगदान का विश्लेषण करता है। सोलो अपने मॉडल में स्पष्ट किया है कि यदि तकनीकी गुणांक परिवर्ती हो तो पूँजी-श्रम अनुपात की प्रवृत्ति यह होगी कि वह अपने आपको समय बीतने पर सन्तुलन अनुपात की दिशा में समायोजित कर लेगा। यदि श्रम से पूँजी का प्रारम्भिक अनुपात अधिक होगा, तो श्रम-शक्ति की तुलना में पूँजी तथा उत्पादन की वृद्धि अधिक धीरे होगी और विलोमशः भी । सोलो का विश्लेषण सन्तुलन पथ (स्थिर अवस्था) की ओर केन्द्रित है चाहे वह किसी भी पूँजी-श्रम अनुपात से क्यों न प्रारम्भ हो।

40. The strategy of unbalanced growth was advocated by :
असंतुलित विकास की रणनीति की हिमायत की गयी थी :

(a) Ragner Nurkse / रेग्नर नर्क्स द्वारा
(b) A.O. Hirschman / ए.ओ. हिर्समैन द्वारा
(c) Rosenstein Rodan / रोजेन्स्टीन रोडान द्वारा
(d) N. Kaldor / एन. काल्डोर द्वारा

Ans. (b) :असंतुलित विकास की रणनीति की हिमायत ए0ओ0 हर्षमैन द्वारा की गयी थी। असंतुलित वृद्धि सिद्धान्त के अनुसार अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में एक साथ निवेश न करके कुछ एक क्षेत्रों में ही सर्वप्रथम निवेश करना चाहिए। किसी भी अल्पविकसित अर्थव्यवस्था के पास साधन और पूँजी इतनी नहीं होती कि समस्त क्षेत्रों में निवेश एक साथ किया जा सके। इस कारण ऐसे देशों में कुछ चुने हुए प्रमुख क्षेत्रों या उद्योगों में निवेश करके उनमें विकास की गति तीव्र की जाती है और उनसे उत्पन्न होने वाली मितव्ययिताओं में वृद्धि होने से अन्य क्षेत्रों का भी विकास होता है। इस प्रकार धीरे-धीरे अर्थव्यवस्था असन्तुलित वृद्धि से सन्तुलित वृद्धि की ओर बढ़ती है। विभिन्न अर्थशास्त्री जैसे सिंगर,किंडलबर्गर, स्ट्रीटन आदि असन्तुलित वृद्धि की पद्धति के पक्ष में अपना मत प्रकट करते हैं।

41. **'Crowding Out' effect may be defined as :**
'क्राउडिंग आउट' प्रभाव को परिभाषित किया जा सकता है :

(a) Increasing investment/विनियोग में वृद्धि के रूप में
(b) Reducing investment/विनियोग में कमी के रूप में
(c) Decreasing private expenditure due to increase in public expenditure/सार्वजनिक व्यय में वृद्धि के फलस्वरूप निजी व्यय में कमी के रूप में
(d) None of the above / उपरोक्त में कोई नहीं

Ans. (c) : सार्वजनिक व्यय में वृद्धि के फलस्वरूप निजी व्यय में कमी के रूप में, क्राउडिंग आउट' प्रभाव को परिभाषित किया जाता सकता है। पूँजी बाजार या मुद्रा बाजार से सरकार या सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा संसाधनों का निकालना जिससे निजी क्षेत्र के लिए संसाधनों की कमी आये सामान्यतया क्राउडिंग आउट कहलाता है पर टेकनिकली बिना मुद्रा की पूर्ति में वृद्धि के सरकार द्वारा उपलब्ध संसाधनों में से संसाधनों का निकालना जिससे बाजार ब्याज दर में वृद्धि हो फलस्वरूप निजी क्षेत्र में लिए पूँजी की उपलब्धता प्रतिकूल रूप से प्रभावित हो, क्राउडिंग आउट कहलाता है।

42. **Which of the following statement is not correct for G.S.T.?**
निम्नांकित में से कौन-सा कथन जी.एस.टी. के संदर्भ में सही नहीं है?

(a) G.S.T. is a value added tax.
जी.एस.टी. एक मूल्य संवर्धित कर है।
(b) There s a provision for input tax credit in it.
इसमें 'इनपुट टैक्स क्रेडिट' का प्रावधान है।
(c) e-way challan is required only for inter-state trade./ई-वे चालान केवल अन्तर्राज्य व्यापार हेतु आवश्यक है।
(d) G.S.T. is not imposed on electricity.
बिजली पर जी.एस.टी. नहीं लगता।

Ans. (c) : जी0एस0टी0 के सन्दर्भ में सही कथन निम्नलिखित हैं-
(i) जी0एस0टी0 एक मूल्य संवर्धित कर है।
(ii) इसमें 'इनपुट टैक्स क्रेडिट' का प्रावधान है।
(iii) बिजली पर जी0एस0टी0नहीं लगता।
(iv) मानवीय उपयोग के लिए नशीली शराब पर जी0एस0टी0 नहीं लगता।
(v) पाँच पेट्रोलियम उत्पाद-अपरिष्कृत पेट्रोलियम (Crude oil) उच्च गति डीजल, मोटर स्प्रिट (Petrol), प्राकृतिक गैस और विमानन ईधन (ATF)- जी.एस.टी. से बाहर रखे गये हैं।

43. **Who among the following economist has suggested the imposition of expenditure tax in India for the first time?**
निम्नांकित में से किस अर्थशास्त्री ने सर्वप्रथम भारत में व्यय कर लगाने का सुझाव दिया?

(a) Dalton / डाल्टन
(b) Musgrave / मसग्रेव
(c) Kaldor / काल्डोर
(d) Findley Shirras / फिन्डले शिराज

Ans. (c) : व्यय कर एक प्रत्यक्ष कर है जो लोगों द्वारा उपभोग पर व्यय की गयी धनराशि पर लगाया जाता है। भारत में इस कर का सुझाव सबसे पहले प्रो0 काल्डोर ने दिया। प्रो0 काल्डोर के अनुसार आय-कर की तुलना में व्यय कर, कर देने की योग्यता का अच्छा आधार है क्योंकि इसका बचत पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता तथा यह कर वंचन रोकने में भी समर्थ है। भारत में व्यय कर अधिनियम 1957 के अन्तर्गत अप्रैल 1958 से व्यय कर लागू किया गया। किन्तु इससे अपर्याप्त राजस्व को देखते हुए इसे 1962 में समाप्त कर दिया गया। 1964-65 में इसे पुनः लागू किया गया किन्तु 1966-67 में इसे हटा दिया गया।

44. **TBS = tax burden on seller; TBB = tax burden on buyer; Ed= elasticity of demand and Es = elasticity of supply, then which one of the following is correct?**
यदि TBS = विक्रेता पर कर भार; TBB = क्रेता पर कर भार; Ed = मांग की लोच तथा Es = आपूर्ति की लोच है, तो निम्नांकित में से कौन-सा सही है?

(a) TBS / TBB = Ed / Es
(b) TBS / TBB = Es / Ed
(c) TBB / TBS = Ed / Es
(d) TBB / TBS = Ed - Es

Ans. (a) : TBS/TBB=Ed/Es

$$\frac{\text{विक्रेता पर कर भार}}{\text{क्रेता पर कर भार}} = \frac{\text{मांग की लोच}}{\text{पूर्ति की लोच}}$$

जो अनुपात पूर्ति की लोच का माँग की लोच के साथ होगा उसी अनुपात में क्रेता तथा विक्रेता के बीच कर विवर्तित होगा।

45. **Which one of the following correctly defines the Gross Fiscal Deficit in India?**
निम्नांकित में से कौन-सा सही ढंग से भारत में सकल राजकोषीय घाटे को परिभाषित करता है?

(a) Excess of revenue expenditure over revenue receipts/राजस्व प्राप्तियों पर राजस्व व्यय का आधिक्य
(b) Difference between capital receipts and capital expenditure/पूँजी प्राप्तियों एवं पूँजी व्यय के मध्य अंतर
(c) Total borrowings of the government less interest payments/कुल सरकारी उधारी–ब्याज भुगतान
(d) Excess of total expenditure over revenue receipts plus non-debt capital receipts / राजस्व प्राप्तियाँ+गैरऋण पूँजी प्राप्तियों पर कुल व्यय का आधिक्य

Ans. (d) : राजकोषीय घाटा = राजस्व प्राप्तियाँ+ गैर ऋण पूँजी प्राप्तियों पर कुल व्यय कर आधिक्य।

राजकोषीय घाटे का सम्बन्ध सरकार के राजस्व तथा पूँजीगत दोनों प्रकार के व्ययों तथा राजस्व और उधार छोड़कर बाकी पूँजीगत प्राप्तियों से है। राजकोषीय घाटा कुल व्यय (राजस्व + पूँजीगत) की, उधार छोड़कर, कुल प्राप्तियों (राजस्व +उधार छोड़ कर पूँजीगत प्राप्तियों) पर अधिकता है।

राजकोषीय घाटा = बजट व्यय या कुल व्यय (राजस्व व्यय +पूँजीगत व्यय) – उधार छोड़कर बजट प्रप्तियाँ या कुल प्राप्तियाँ (राजस्व प्राप्तियाँ + उधार छोड़कर पूँजीगत प्राप्तियाँ)

46. According to the theory of Loanable fund the rate of interest is a function of :
ऋण देय निधि सिद्धांत के अनुसार ब्याज दर निम्नांकित में से फलन है :

(a) Investment / निवेश का
(b) Desire o hoard money/मुद्रा के अपसंचय की इच्छा का
(c) Quantity of money / मुद्रा की मात्रा का
(d) All of the above A, B and C
उपर्युक्त सभी A, B एवं C

Ans. (d) : ऋण देय निधि सिद्धान्त के अनुसार ब्याज दर निम्नलिखित चरों का फलन होता है-

(i) निवेश का
(ii) मुद्रा के अपसंचय की इच्छा का
(iii) मुद्रा की मात्रा का

ऋण देय निधि सिद्धान्त को विकसित करने वाले अर्थशास्त्रियों में प्रमुख अर्थशास्त्री विकसेल, बर्टिल ओहलिन, राबर्टसन, लिंडहल, वाइनर आदि है। इस सिद्धान्त के अनुसार ब्याज दर ऋण-योग्य राशियों की माँग तथा उसकी पूर्ति द्वारा निर्धारित होती है। ऋण योग्य राशियों की पूर्ति में आय में से की गयी बचतें, असंचित किया गया मुद्रा धन, बैकों द्वारा सृजन की गयी मुद्रा तथा व्यवसायियों द्वारा विनिवेश आदि शामिल है। ऋण-योग्य राशियों के लिए माँग में निवेश की लिए माँग उपभोग के लिए माँग तथा मुद्रा संचय करने के लिए माँग सम्मिलित है।

47. Tobin Tax is a tax on :
टॉबिन टैक्स एक कर है :

(a) Export transactions / निर्यात सौदों पर
(b) Import expenditure / आयात व्यय पर
(c) Foreign Exchange transactions
विदेशी विनियमय सौदों पर
(d) Sales transactions / विक्रय सौदों पर

Ans. (c) : टोबिन ने 1971 में स्थिर विनिमय दर प्रणाली को समाप्त होने के बाद विदेशी विनिमय दर में तीव्र उच्चावचनों पर अंकुश लाने के लिए मुद्रा के किसी दूसरी मुद्रा में बदलते समय एक अल्प दर से करारोपण की सिफारिश की जिसे टोबिन टैक्स के नाम से जाना जाता है। प्रभावी रूप से यह टैक्स अन्तर्राष्ट्रीय पूँजी व्यवहारों, मुख्य रूप से पूँजी के अन्तर्प्रवाह पर लगता है। इसका उद्देश्य राजस्व प्राप्ति नहीं बल्कि विदेशी विनिमय में अवैध व्यापार को तथा पूँजी के अत्यधिक अर्न्तप्रवाह को हतोत्साहित करना है।

48. Wagner's Hypothesis is related with :
वैनगर की परिकल्पना संबंधित है :

(a) Public Revenue / सार्वजनिक आय से
(b) Public expenditure / सार्वजनिक व्यय से
(c) Supply of Money / मुद्रा की पूर्ति से
(d) Public Debt / सार्वजनिक ऋण से

Ans. (b) : वैगनर की परिकल्पना सार्वजनिक व्यय से सम्बन्धित है। एडाल्फ वैगनर ने आनुभविक विश्लेषण के आधार पर यह स्थापित किया कि सार्वजनिक व्ययों में विस्तार की दर अर्थव्यवस्था की संवृद्धि दर से अधिक होती है। जैसे-जैसे आर्थिक विकास होता जायेगा राज्य की क्रियाओं में और तेजी से विस्तार होगा। वैगनर के सिद्धान्त को राज्य व्यय के विस्तार का नियम कहते हैं।

49. Balance of Payment includes :
भुगतान संतुलन में सम्मिलित है :

(a) Pure payment of exports and imports
निर्यात-आयात का शुद्ध भुगतान
(b) Payment of war finance/युद्ध वित्त का भुगतान
(c) Visible and non-visible items of payments
दृष्य एवं अदृष्य मदों का भुगतान
(d) Repayment of external debt
बाह्य ऋण का भुगतान

Ans. (c) : भुगतान संतुलन में दृश्य एवं अदृश्य मदों का भुगतान सम्मिलित होता है। प्रो0 किंडल बर्गर के अनुसार,''एक देश का भुगतान शेष उसके निवासियों और अन्य देशों के निवासियों के बीच सभी आर्थिक लेन-देनों का एक सुव्यवस्थित लेखा है।''

भुगतान शेष के चार घटक होते हैं जिन्हें तुलन-पत्र में क्षैतिज रूप में लिखा जाता है। चालू लेखा, पूँजी लेखा, सरकारी भुगतान लेखा अथवा सरकारी रिजर्व परिसम्पत्ति लेखा और अशुद्धियाँ एवं भूल-चूक।

50. Which one of the following is known as 'Soft Loan Window' of World Bank?
निम्नांकित में से किसको विश्व बैंक की 'सुलभ ऋण खिड़की' के रूप में जाना जाता है?

(a) International Finance Corporation
अन्तरराष्ट्रीय वित्त निगम
(b) Asian Development Bank/एशियाई विकास बैंक
(c) International Development Association
अंतरराष्ट्रीय विकास संघ
(d) Multi – Lateral Investment Guarantee Agency
बहु-पक्षीय विनियोग गारंटी अभिकरण

Ans. (c) : अंतर्राष्ट्रीय विकास संघ (IDA) को विश्व बैंक की 'सुलभ ऋण खिड़की' के रूप मे जाना जाता है। अन्तर्राष्ट्रीय विकास परिषद विश्व बैंक की एक इकाई है जो IBRD की पूरक संख्या है, इसकी स्थापना 24 सितम्बर 1960 में हुयी। इसे 1961 में यू.एन.ओ. का अभिकरण बनाया गया। अन्तर्राष्ट्रीय विकास परिषद केवल उन्हीं देशों को ऋण देता है। जिनकी प्रति व्यक्ति वार्षिक आय 375 डालर से कम है। यदि कोई देश ऐसा है जिसकी प्रति व्यक्ति आय इससे कम हो पर उसके पास पर्याप्त मात्रा में पूँजी स्रोत है, तो उसे ऋण नहीं प्राप्त होगा।

51. Tariff Policy is related with :
प्रशुल्क नीति संबंधित है :

(a) Import Duty / आयात शुल्क से
(b) Custom Duty / सीमा शुल्क से
(c) Export Duty / निर्यात शुल्क से
(d) All of the above (A), (B) and (C)
उपर्युक्त सभी (A), (B) एवं (C) से

Ans. (d) : प्रशुल्क वस्तुओं पर लगाया गया एक कर या शुल्क है जब वे राष्ट्रीय सीमा में प्रवेश करती है और उसे छोड़ती है। इस अर्थ में प्रशुल्क से अभिप्राय आयात शुल्क और निर्यात शुल्क से है। परन्तु व्यावहारिक उद्देश्य के लिए, एक प्रशुल्क आयात शुल्क या सीमा शुल्क का पर्यायवाची है।

52. Which one of the following theories supports that 'international trade is a substitute for mobility in factors of production'?
निम्नांकित में से कौन-सा सिद्धांत यह पुष्टि करता है कि 'अंतरराष्ट्रीय व्यापार उत्पादन के साधनों की गतिशीलता का स्थानापन्न है?

(a) Classical theory of trade
व्यापार का प्रतिष्ठित सिद्धांत
(b) Strategic theory of trade
व्यापार का रणनीतिक सिद्धांत
(c) Heckscher-Ohlin theory of trade
व्यापार का हेक्स्चर–ओहलिन का सिद्धांत
(d) Neither (A), (B) nor (C)
न तो (A), (B) न ही (C)

Ans. (c) : हैक्शर-ओह्लिन का सिद्धान्त यह पुष्टि करता है कि 'अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार उत्पादन के साधनों की गतिशीलता का स्थानापन्न है। हैक्शर-ओहलिन सिद्धान्त दो देशों में व्यापार वस्तुओं की लागतों में सापेक्षिक अन्तर के कारण होता है तथा यह अन्तर दो कारणों से होता है–

(i) प्रथम तो यह कि उत्पत्ति के साधनों की कीमत में सापेक्षिक अन्तर होता है। और (ii) द्वितीय यह कि विभिन्न वस्तुओं के उत्पादन में उत्पत्ति के साधनों की आवश्यकता में सापेक्षिक भिन्नता होती है।

53. Which of the following is a debit entry in Balance of Payment Accounts of any country?
निम्नांकित में से किसी देश के भुगतान संतुलन खातों में डेबिट प्रविष्टि कौन-सी है?

(a) Export of Goods / वस्तुओं का निर्यात
(b) Export of Capital / पूँजी का निर्यात
(c) Export of Services / सेवाओं का निर्यात
(d) Unilateral transfers to abroad
विदेशों का एक-पक्षीय हस्तान्तरण

Ans. (b) : किसी देश के भुगतान सन्तुलन खातों में पूँजी का बर्हिप्रवाह या पूँजी का निर्यात डेबिट प्रविष्टि के रूप में प्रदर्शित होगा क्योंकि इसके कारण विदेशियों को भुगतान होगा। पूँजी का निर्यात नाम पक्ष (Debit side) तथा पूँजी का आयात, जमा पक्ष (Credit side) में सम्मिलित किया जाता है जबकि वस्तुओं का निर्यात जमा पक्ष (Credit side)तथा वस्तुओं का आयात नाम पक्ष(Debit side) में सम्मिलित किया जाता है।

54. The main security guard of international trade is :
अंतरराष्ट्रीय व्यापार का प्रमुख प्रहरी है :

(a) I.F.C. / आई.एफ.सी.
(b) I.M.F. / आई.एम.एफ.
(c) World Bank / विश्व बैंक
(d) W.T.O. / डब्ल्यू.टी.ओ.

Ans. (d) : अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का प्रमुख प्रहरी विश्व व्यापार संगठन (W.T.O) है। गैट की जो यात्रा 1947 से प्रारम्भ हुई, वह 1 जनवरी 1995 की विश्व व्यापार संगठन (WTO) की स्थापना के समय चरम परिणति को प्राप्त हो गयी। 25 नवम्बर 2015 को लाइबेरिया इसका 163 वाँ तथा 29 जुलाई 2016 को अफगानिस्तान 164वाँ सदस्य बना। विश्व व्यापार संगठन का मुख्य उद्देश्य पूरे विश्व में एक बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली विकसित करनी है, जिसके सदस्यों के बीच अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में किसी प्रकार का अवरोध या विभेद न हो उनके बीच समुचित प्रतिस्पर्धा का वातावरण कायम रहे।

55. Under diminishing opportunity cost of production, the production possibility curve towards the point of origin of the axes will be :
उत्पादन की ह्रासमान अवसर लागत के अंतर्गत, उत्पादन संभावना वक्र, अक्षों के मूल बिन्दु के प्रति होगी :

(a) Concave / नतोदर
(b) Parabolic / परवलयिक (अणुवृत)
(c) Convex / उन्नतोदर
(d) None of the above / उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : उत्पादन की ह्रासमान अवसर लागत के अर्न्तगत, उत्पादन संभावना वक्र, अक्षों के मूल बिन्दु के प्रति उन्नतोदर होता है। उत्पादन संभावना वक्र अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार संतुलन में पूर्ति पक्ष

को व्यक्त करता है। यह बताता है कि कोई देश उपलब्ध प्रौद्योगिकी से अपने उत्पादन के साधनों का अधिकतम कुशलता से प्रयोग करके दो वस्तुओं के कौन-कौन से विविध वैकल्पिक संयोगों का उत्पादन कर सकता है। यह अवसर लागतों के सिद्धान्त पर आधारित है। घटती अवसर लागत दशा में उत्पादन संभावना वक्र का चित्र

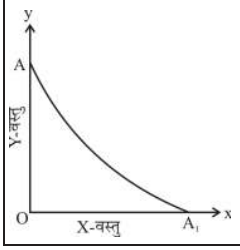

56. In India the value added method is used to estimate national income particularly in :
भारत में राष्ट्रीय आय के अनुमान के लिये मूल्य संवर्धित विधि का उपयोग विशेष रूप से किया जाता है :

(a) Primary sector / प्राथमिक क्षेत्र में
(b) Secondary sector / द्वितीयक क्षेत्र में
(c) Tertiary Sector / तृतीयक क्षेत्र में
(d) Secondary and tertiary sectors both
द्वितीयक एवं तृतीयक दोनों क्षेत्र में

Ans. (a) : भारत में राष्ट्रीय आय के अनुमान के लिए मूल्य संवर्धित विधि का उपयोग विशेष रुप से प्राथमिक क्षेत्र में किया जाता है। भारत में राष्ट्रीय आय के अनुमान के लिए सांख्यिकीय संगठन ने सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था को छः क्षेत्रों तथा 14 उपक्षेत्रों में विभाजित किया है। इस प्रकार हैं-

(क) प्राथमिक क्षेत्र- 1. कृषि, 2. वानिकी और लट्ठा 3. मछली पालन 4. खनन तथा उत्खनन।

(ख) द्वितीयक क्षेत्र- 5. विनिर्माण 6. निर्माण 7. बिजली, गैस और जलपूर्ति ।

(ग) परिवहन संचार एवं व्यापार- 8.परिवहन, भण्डारण और संचार 9. व्यापार होटल और रेस्टोरेंट।

(घ) वित्त एवं वास्तविक सम्पदा- 10. बैंकिग तथा बीमा 11. वास्तविक सम्पदा, भवनों का स्वामित्व तथा व्यावसायिक सेवायें।

(ड़) सामुदायिक एवं निजी सेवाएँ - 12. सार्वजनिक प्रशासन एवं सुरक्षा 13. अन्य सेवाएँ

(च) विदेशी क्षेत्र- 14. विदेशी व्यवहार

57. In Which year the major currencies of the world had begun to float against each other?
किस वर्ष में विश्व की प्रमुख मुद्राओं ने एक-दूसरे के विरुद्ध फ्लोट करना प्रारंभ किया?

(a) 1947 (b) 1971
(c) 1973 (d) 1975

Ans. (c) : वर्ष 1973 में विश्व की प्रमुख मुद्राओं ने एक-दूसरे के विरुद्ध फ्लोट करना प्रारम्भ किया। 1973 में नियत मुद्रा व्यवस्था का परित्याग कर दिया तथा 'उप्लावित मुद्रा व्यवस्था' को अपनाने की घोषण की गयी। इसके बाद IMF द्वारा सदस्य देशों को नियत (Fixed) तथा उत्प्लावित (Floating) मुद्रा व्यवस्थाओं में से किसी को चुनने की स्वतन्त्रता दी गयी तब से अधिकतर देशेां द्वारा उत्प्लावित मुद्रा व्यवस्था को ही अपनाया गया।

58. Main objective of Public Distribution System in India is :
भारत में सार्वजनिक वितरण प्रणाली का प्रमुख उद्देश्य है:

(a) Exports of Food / खाद्यान्न का निर्यात
(b) Imports of Food / खाद्यान्न का आयात
(c) Food Security / खाद्य सुरक्षा
(d) Quality of Food / खाद्यान्नों की गुणवत्ता

Ans. (c) :भारत में सार्वजनिक वितरण प्रणाली का प्रमुख उद्देश्य खाद्य सुरक्षा है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली जिसे सर्वप्रथम 1950 में प्रारम्भ किया गया गरीबों को सस्ते मूल्यों पर खाद्यानों को वितरित करने की प्रणाली है, जिससे उन्हे खाद्यान्नों की बढ़ती हुयी कीमतों के बोझ से बचाया जा सके। सार्वजनिक वितरण प्रणाली में खाद्यानों को उपलब्ध कराने का काम मुख्यतया भारतीय खाद्य निगम के द्वारा किया जाता है। भारतीय खाद्य निगम खाद्यान्नों का 'बफर स्टाक' रखता है।

59. The most important source of capital formation in India has been :
भारत में पूँजी निर्माण का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत रहा है:

(a) Public sector savings / सार्वजनिक क्षेत्र की बचतें
(b) Budgetary surpluses / बजटरी आधिक्य
(c) Corporate savings / निगमीय बचतें
(d) Household savings / पारिवारिक बचतें

Ans. (d) : भारत में पूँजी निर्माण का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत पारिवारिक बचतें है। वह प्रक्रिया जिसके द्वारा किसी अर्थव्यवस्था में पूँजी स्टॉक में वृद्धि लायी जाती है, उसे हम पूँजी निर्माण कहते हैं। चालू आय का कितना भाग चालू उपभोग पर नहीं व्यय होता है या कितना भाग बचाया जाता है, यह पूँजी निर्माण की आवश्यक दशा है पर बचत अपने में स्वतः पूँजी निर्माण नहीं है, पूँजी निर्माण तब होता है जबकि बचत विनियोग में परिवर्तित हो। अर्थव्यवस्था में आय में वृद्धि, उपभोग में कटौती तथा नियमन, विदेशी पूँजी के नियमन, बचत के गतिशीलन तथा बचत के प्रोत्साहन के द्वारा पूँजी निर्माण में वृद्धि लायी जा सकती है।

60. Make in India programme aims at :
'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम लक्ष्य करता है :

(a) facilitating investment and innovations
विनियोग एवं नवप्रवर्तनों को सुविधाजनक बनाने पर
(b) enhance skill development
कौशल विकास को बढ़ावा देने पर
(c) protect intellectual property
बौद्धिक सम्पदा को सुरक्षित करने पर
(d) All of the above (A), (B) and (C)
उपरोक्त सभी (A), (B) एवं (C)

Ans. (d) : मेक इन इण्डिया जिसे प्रधानमंत्री ने 25 सितम्बर 2014 को शुरु किया जिसका प्रमुख उद्देश्य विश्व के सभी देशों से निवेश आकृष्ट करना है जिससे भारत एक 'मैन्युफैक्चरिंग हब' के रूप में विकसित हो सके। यह भारत का आर्थिक रूपान्तरण सुनिश्चित करेगा तथा अवांछित कानूनों तथा अवरोधों को दूर करेगा। इसके कारण एफ.डी.आई. का अन्तर्प्रवाह बढ़ेगा, अर्थव्यवस्था में रोजगार तथा आय में वृद्धि होगी। मेक इन इण्डिया कार्यक्रम निम्न लक्ष्य निर्धारित करता है–

(i) विनियोग एवं नवप्रवर्तनों को सुविधाजनक बनाने पर
(ii) कौशल विकास को बढ़ावा देने पर
(iii) बौद्धिक सम्पदा को सुरक्षित करने पर

61. Which one of the following is not the objective of Pradhan Mantri Jan-Dhan Yojana?
निम्नांकित में से कौन-सा एक उद्देश्य प्रधानमंत्री जन-धन योजना का नहीं है?

(a) Financial inclusion of poor
गरीबों का वित्तीय समावेशन
(b) Providing insurance cover to each rural poor
प्रत्येक ग्रामीण गरीब को बीमा सुरक्षा प्रदान करना
(c) Spreading financial literacy
वित्तीय साक्षरता को बढ़ाना
(d) Neither (A), (B) nor (C)
न तो (A), (B) न ही (C)

Ans. (b) : प्रधानमंत्री जन-धन योजना की घोषणा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 15 अगस्त 2014 को लाल किले की प्राचीर से की गयी थी। इसका औपचारिक शुभारंभ 'मेरा खाता भाग्य विधाता' आदर्श वाक्य के साथ 28 अगस्त 2014 को पूरे देश में किया गया। यह विश्व की सबसे बड़ी वित्तीय समावेशन योजना है। इस योजना के उद्देश्य निम्न है-

(i) गरीबों का वित्तीय समावेशन
(ii) वित्तीय साक्षरता को बढ़ाना

62. Which of the following is not an item of social security of labour?
निम्नांकित में से कौन-सी मद श्रम की सामाजिक सुरक्षा की नहीं है?

(a) Wage / मजदूरी
(b) Maternity benefits / मातृत्व लाभ
(c) Pensions / पेन्शन
(d) Industrial injury / औद्योगिक क्षति

Ans. (a) : श्रम की सामाजिक सुरक्षा का मद मजदूरी नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (I.L.O.) के अनुसार, सामाजिक सुरक्षा एक व्यापक दृष्टिकोण है जिसे वंचितों को रोकने, व्यक्ति को एक न्यूनतम आय का आश्वासन देने और किसी भी अनिश्चितता से व्यक्ति की रक्षा करने के लिए डिजाइन किया गया है। श्रम की सामाजिक सुरक्षा के निम्नलिखित मद है- मातृत्व लाभ, पेंशन, औद्योगिक क्षति, भोजन, कपड़ा, आवास और चिकित्सा देखभाल तथा आवश्यक सामाजिक सेवाओं सहित स्वास्थ्य व कल्याण के लिए पर्याप्त जीवन स्तर का अधिकार। आय का आधिकार किसी भी व्यक्ति के नियंत्रण से परे परिस्थितियों में बेरोजगारी, बीमारी, दिव्यांगता, विधवापन, वृद्धावस्था या आजीविका की अन्य की स्थिति में सुरक्षा है।

63. In case of normal distribution the value of β_2 is:
प्रसामान्य बंटन की दशा में β_2 का मान होता है :

(a) Zero / शून्य
(b) Less than 3 / 3 से कम
(c) 3 / 3
(d) Greater than 3 / 3 से अधिक

Ans. (c) : प्रसामान्य बंटन की दशा में β_2 का मान 3 होता है। प्रसामान्य बंटन के अचर मूल्य निम्नलिखित है-

समान्तर माध्य $\overline{X}$ अथवा μ, प्रमाप विचलन σ

परिघात - प्रथम द्वितीय तृतीय चतुर्थ

$\mu_1 = 0 \quad \mu_2 = \sigma^2 \quad \mu_3 = 0 \quad \mu_4 = 3\mu_2^2 = 3\sigma^4$

$$\beta_1 = \frac{\mu_3^2}{\mu_2^3} = 0, \quad \beta_2 = \frac{\mu_4}{\mu_3^2} = \frac{3\mu_2^2}{\mu_2^2} = 3$$

प्रसामान्य बंटन सममित होने के कारण इसके विषम परिघातों का मूल्य सदैव शून्य होता है और इसलिए विषमता भी शून्य होगी, परन्तु पृथुशीर्षत्व जो माध्य शीर्ष वाले वितरण का प्रतीक है, का मान 3 होता है।

64. Which of the components of time series can be forecast most accurately?
काल श्रेणी के किस घटक का पूर्वानुमान सर्वाधिक सही ढंग से किया जा सकता है?

(a) Cyclical variation / चक्रीय परिवर्तन
(b) Secular Trend / दीर्घकालीन उपनति
(c) Seasonal variation / मौसमी परिवर्तन
(d) Irregular fluctuations / अनियमित उच्चावचन

Ans. (b) :काल श्रेणी के दीर्घकालीन उपनति का पूर्वानुमान सर्वाधिक सही ढंग से किया जा सकता है। काल-श्रेणियों का विश्लेषणकर्ता दीर्घकालीन प्रवृत्ति इसलिए मापना चाहता है कि (1) वह दीर्घकालीन प्रवृत्ति का भविष्य में अनुमान लगाने के लिए आधार के रूप में विश्लेषण कर सके, या (2) अतीत में काल-श्रेणी के विकास अथवा अवनति का अध्ययन कर सके तथा आर्थिक सिद्धान्त का परीक्षण कर सके या (3) वह श्रेणियों में से इस प्रवृत्ति को पृथक कर सके जिससे दूसरे संघटकों यथा आवृत्ति वितरण या चक्रीय उच्चावचनों का ज्ञान प्राप्त किया जा सके।

65. The first quartile of a series is 27 and quartile deviation is 17, then the third quartile will be :
यदि किसी श्रेणी का प्रथम चतुर्थक 27 है तथा इसका चतुर्थक विचलन 17 है, तो तृतीयक चतुर्थक होगा :

(a) 59 (b) 61
(c) 65 (d) 57

Ans. (b) : प्रश्नानुसार-
प्रथम चतुर्थक $(Q_1) = 27$
चतुर्थक विचलन $(Q.\ D.) = 17$
तृतीय चतुर्थक $(Q_3) = ?$

सूत्र -चतुर्थक विचलन (Q.D.) =

$$= \frac{\text{तृतीय चतुर्थक}(Q_3) - \text{प्रथम चतुर्थक } (Q_1)}{2}$$

$$17 = \frac{\text{तृतीय चतुर्थक} - 27}{2}$$

तृतीय चतुर्थक = 34+27

तृतीय चतुर्थक = 61

66. Which of the following is not a source of vital statistics in India?
निम्नांकित में से कौन-सा भारत में जीवन समंकों का स्रोत नहीं है?

(a) National Family and Health Survey
राष्ट्रीय परिवार एवं स्वास्थ्य सर्वेक्षण

(b) Sample Registration System
प्रतिदर्श पंजीकरण प्रणाली

(c) Economic Census/आर्थिक जनगणना

(d) Civil Registration System
नागरिक पंजीकरण प्रणाली

Ans. (c) : जीवन समंक विवाह, जन्म, बीमारी और मृत्यु के संख्यात्मक लेखे होते हैं। जिनके द्वारा जनसमुदाय के स्वास्थ्य और विकास का अध्ययन किया जा सकता है। जीवन समंको के स्रोत निम्नलिखित है।

(i) राष्ट्रीय परिवार एवं स्वास्थ्य सर्वेक्षण

(ii) प्रतिदर्श पंजीकरण प्रणाली

(iii) नागरिक पंजीकरण प्रणाली।

67. The coefficient of correlation is significant if :
सहसम्बन्ध गुणांक सार्थक होता है यदि-

(a) $\frac{r}{P.E.} > 5$ (b) $\frac{r}{P.E.} > 4$

(c) $\frac{r}{P.E.} > 3$ (d) $\frac{r}{P.E.} > 6$

Ans. (d) : सह सहसम्बन्ध गुणांक सार्थक होता है। यदि $\frac{r}{P.E} > 6$ अर्थात यदि सह-सम्बन्ध गुणांक सम्भाव्य विभ्रम के 6 गुने से अधिक है तो दोनों श्रेणियों में सह-सम्बन्ध सार्थक होगा। यदि सह-सम्बन्ध गुणांक, सम्भाव्य विभ्रम से कम $(r \angle P.E)$ तो यह सिद्ध होता है कि सह-सम्बन्ध की उपस्थिति का कोई प्रमाण नहीं है।

68. The chance of happening or not happening of the event in statistics is known as :
सांख्यिकी में किसी घटना के घटित होने अथवा घटित न होने की स्थिति को जाना जाता है :

(a) Time series / काल श्रेणी

(b) Probability / प्रायिकता

(c) Mathematical expectation / गणितीय प्रत्याशा

(d) Theoretical Frequency distribution
सैद्धांन्तिक आवृत्ति वितरण

Ans. (b) : सांख्यिकी में किसी घटना के घटित होने अथवा घटित न होने की स्थिति को प्रायिकता से जाना जाता है।

$$\text{घटना के घटने की प्रायिकता} = \frac{\text{अनुकूल परिस्थितियों की संख्या}}{\text{कुल संभावित परिस्थितियों की संख्या}}$$

घटना के न घटने की प्रायिकता

$$= \frac{\text{प्रतिकूल परिस्थितियों की संख्या}}{\text{कुल संभावित परिस्थितियों की संख्या}}$$

69. Lorenz curve is a graphic method of studying :
लारेंज वक्र, अध्ययन करने की एक बिन्दु रेखीय विधि है :

(a) Mean / माध्य के

(b) Dispersion / अपकिरण के

(c) Index Number / सूचकांक के

(d) Correlation / सहसम्बंध के

Ans. (b) : अपकिरण मापने के विधियों में लारेन्ज वक्र एक बिन्दु रेखीय विधि है। इस विधि के अन्तर्गत बिन्दु रेखीय पथ पर वक्र बनाया जाता है। इस वक्र का प्रयोग सर्वप्रथम डॉ. मैक्स ओ0 लॉरेन्ज ने किया । उन्ही के नाम पर इस वक्र का नाम लॉरेन्ज वक्र पड़ा।

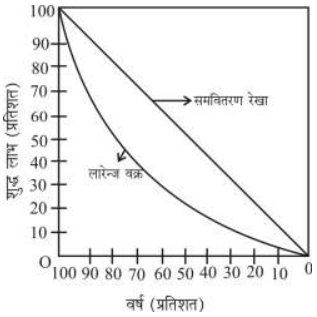

लारेन्ज वक्र सम वितरण रेखा के जितने समीप होगा उतना ही कम अपकिरण होता है, इसके विपरीत लारेन्ज वक्र समवितरण रेखा से जितना दूर होगा उतना ही अधिक अपकिरण होता है।

70. The concept of unbalanced growth has been popularized by :
असंतुलित संवृद्धि की धारणा विकसित की गयी है :

(a) Hirschman / हिर्समैन द्वारा

(b) Leibenstein / लीबिन्स्टीन द्वारा

(c) Nurkse / नर्क्स द्वारा

(d) Rosentein Rodan / रोजेन्टीन रोडान द्वारा

Ans. (a) : असंतुलित संवृद्धि की धारणा हर्शमैन ने विकसित की तथा इस सिद्धान्त के अन्य समर्थक अर्थशास्त्री हैं-सिंगर, फ्लेमिंग, स्ट्रीटेन आदि। हर्शमैन के अनुसार जान-बूझकर सृजित असन्तुलन के द्वारा ही आर्थिक विकास लाया जा सकता है। इसका तरीका यहा हो सकता है कि सरकार मे अवस्थापना को विकसित करने के लिए विनियोग करें। जिसके कारण यातायात, संवहन, टेलीफोन, पोस्टल सेवायें आदि सुविधजनक विकसित होगी और ये निजी साहसियों को अन्य क्षेत्रों में विनियोजन के लिए प्रोत्सहित करेगी।

उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग असिस्टेन्ट प्रोफेसर परीक्षा 2016
अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र **परीक्षा तिथि : 05/01/2019**

1. भारत में किस राज्य में शिशु मृत्यु दर सबसे कम है?

(a) महाराष्ट्र-19 (b) गोवा

(c) केरल (d) गुजरात

Ans. (b) : RBI द्वारा 13 अक्टूबर, 2020 को जारी आंकड़ों के अनुसार, न्यूनतम शिशु मृत्यु दर वाले राज्य हैं-

1. नगालैण्ड - 4 2. मिजोरम - 5

3. गोवा/केरल - 7 4. अण्डमान निकोबार - 9

सर्वाधिक शिशु मृत्यु दर वाले राज्य है-

1. मध्य प्रदेश - 48 2. उत्तर-प्रदेश - 43

3. असम/चण्डीगढ़ - 41 4. ओडिशा - 40

2. नई आर्थिक नीति को अपनाने के बाद भारतीय कृषि का विकास धीमा होने के कारण हैं-

(I) फसल की उपज में निम्न वृद्धि

(II) निम्न सार्वजनिक निवेश

(III) स्थिर हरित क्रान्ति प्रौद्योगिकी

(IV) कृषि उत्पादों की निम्न फुटकर बाजार कीमतें

नीचे दिये गये कूटों में से सही कूट को चुनिये-

कूटः

(a) (I), (II), (III), (IV) (b) (II), (III)

(c) (I), (II), (III) (d) (I), (IV)

Ans. (c) : नई आर्थिक नीति, 1991 को अपनाने के बाद भारतीय कृषि के धीमा विकास होने के कारण निम्नवत् हैं-

1. फसल की उपज में निम्न वृद्धि
2. निम्न सार्वजनिक निवेश
3. स्थिर हरित क्रांति प्रौद्योगिकी

3. नई व्यापार नीति-2015-20 में एक नई योजना प्रारम्भ की गई है, जिसे कहा जाता है-

(a) मर्चेन्डाइज एक्सपोर्ट फ्रॉम इंडिया योजना

(b) एक्सपोर्ट फ्रॉम इंडिया योजना

(c) मर्चेन्डाइज ट्रेड फ्रॉम इंडिया योजन

(d) ट्रेड फ्रॉम इंडिया योजना

Ans. (a) : विदेशी व्यापार नीति की घोषणा अप्रैल, 2015 में वर्ष 2015-2020 के लिये की गई। इस योजना में निम्न दो योजनायें शुरु की गई-

1. Merchandise Exports from India scheme (MEIS)भारत में वस्तु निर्यात योजना
2. Service Export from India Scheme(SEIS) भारत से सेवा निर्यात योजना

4. निम्न में से कौन सा भारत निर्माण का तत्व नहीं है?

(a) ग्रामीण आवास

(b) ग्रामीण विद्युतीकरण

(c) कृषि आधारित उद्योग

(d) ग्रामीण दूर संचार सेवा

Ans. (c) : भारत निर्माण योजना की शुरुआत 16 दिसम्बर 2005 को प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा नई दिल्ली में की गई। इसमें 6 घटक शामिल हैं-

1. ग्रामीण आवास 2. सिंचाई क्षमता 3. पेयजल

4. सड़क 5. ग्रामीण विद्युतीकरण 6. ग्रामीण दूर संचार

5. सार्वजनिक क्षेत्र के निम्न बैंकों में कौन-सा बैंक सबसे पुराना है?

(a) पंजाब नेशलन बैंक (b) इलाहाबाद बैंक

(c) केनरा बैंक (d) बैंक आफ बड़ोदा

Ans. (b) : सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में इलाहाबाद बैंक सबसे पुराना है। इसकी स्थापना 1865 में इलाहाबाद में हुई थी।

6. प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के संदर्भ में निम्न में से कौन सा सत्य नहीं है?

(a) यह निजी दुर्घटना से सम्बन्धित है।

(b) यह 18 से 50 वर्ष तक की आयु वालों के लिये उपलब्ध है।

(c) यह 18 से 70 वर्ष तक की आयु वालों के लिये उपलब्ध है।

(d) इसमें प्रीमियम की राशि 12 रुपये है।

Ans. (c) : प्रधानमंत्री बीमा सुरक्षा योजना का आरम्भ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 9 मई,2015 को कोलकाता में किया गया। यह केन्द्र समर्थित दुर्घटना बीमा योजना है, जिसके अन्तर्गत ₹ 12 प्रति वर्ष की न्यूनतम प्रीमियम दर अदायगी के साथ गरीब एवं निम्न आय वर्ग के लोग लाभान्वित होते हैं।

इसके अन्तर्गत 18 वर्ष से 70 वर्ष के लोग आते हैं।

7. कार्यकारी दल (टास्क फोर्स, 1979) ने वर्ष 1973-74 के लिये गरीबी रेखा का अनुमान, शहरी क्षेत्र के लिये____रुपये और ग्रामीण क्षेत्र के लिये _____रुपये लगाया था।

(a) 46.04:40.09 (b) 56.64:49.09

(c) 65.64:56.64 (d) 32.45:36.64

Ans. (b) : कार्यकारी दल, 1979 ने 1973-74 के लिए गरीबी रेखा का अनुमान शहरी क्षेत्र के लिए ₹ 56.64 तथा ग्रामीण क्षेत्र के लिए ₹ 49.09 लगाया था।

8. 2011 की जनगणना की (1) बिहार, (2) पं. बंगाल और (3) दिल्ली राज्यों के जनसंख्या घनत्व पर विचार करें तो, निम्नलिखित में से कौन सा क्रम सही है?

(a) 1>2>3 (b) 3>1>2
(c) 3>2>1 (d) 1<3>2

Ans. (b) : 2011 की जनगणना के अनुसार सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाले राज्य हैं-
1. दिल्ली-11320 2. बिहार-1106 3. पं0 बंगाल-1028
3. केरल-860 4. उत्तर प्रदेश-829

9. वर्ष 2014-15 में, भारत का व्यापार अतिरेक था-

(a) यू.एस.ए. और यू.ए.ई. के साथ
(b) यू.एस.ए. और सउदी अरब के साथ
(c) चीन और सउदी अरब के साथ
(d) यू.ए.ई. और सउदी अरब के साथ

Ans. (a) : वर्ष 2014-15 में भारत का व्यापार अतिरेक यू.एस. ए. और यू.ए.ई. के साथ था।
आर्थिक समीक्षा 2020-21 के अनुसार, भारत का व्यापार अतिरेक यू.एस.ए. के साथ रहा। जबकि यू.ए.ई. का भारत के आयात में 6% हिस्सा है तथा निर्यात में 5.6% हिस्सा रहा।

10. वर्ष 2014-15 में भारत का सबसे बड़ा व्यापार सहयोगी था-

(a) यू.एस.ए.
(b) चीन
(c) चीन और सउदी अरब के साथ
(d) यू.एस.ई. और सउदी अरब के साथ

Ans. (b) : वर्ष 2014-15 में भारत का सबसे बड़ा व्यापार भागीदार देश चीन था।
आर्थिक समीक्षा 2020-21 के अनुसार भारत का सबसे बड़ा व्यापार भागीदार देश यू.एस.ए. रहा।

11. भारतीय अर्थव्यवस्था में आरक्षित मुद्रा की मात्रा को जानने के लिए निम्नलिखित में से किसे घटाया जाता है?

(a) आर.बी.आई. द्वारा सरकार को दिया गया शुद्ध ऋण
(b) आर.बी.आई. द्वारा बैंकों और वाणिज्यिक क्षेत्र को दिया गया ऋण
(c) आर.बी.आई. के पास उपलब्ध शुद्ध विदेशी विनिमय परिसम्पत्ति
(d) आर.बी.आई. की शुद्ध गैर-मौद्रिक देनदारियाँ

Ans. (d) : भारतीय अर्थव्यवस्था में आरक्षित मुद्रा की मात्रा को जानने के लिए आर.बी.आई. की शुद्ध गैर-मौद्रिक देनदारियों को घटाया जाता है।

12. कर को उत्प्लावक कहा जाता है यदि कर राजस्व हो-

(a) उत्पादन में परिवर्तनों के प्रति कम संवेदनशील
(b) उत्पादन में परिवर्तनों के प्रति अधिक संवेदनशील
(c) कर आधार में परिवर्तनों के प्रति समान संवेदनशील
(d) कर आधार में परिवर्तनों के प्रति कम संवेदनशील

Ans. (b) : कर को उत्प्लावक कहा जाता है यदि कर राजस्व, उत्पादन में परिवर्तन के प्रति अधिक संवेदनशील हो।

13. बजट प्रभाव से आशय है-

(a) आय के वितरण पर सरकारी व्यय
(b) निजी क्षेत्र की आय और सम्पति के वितरण पर कर नीतियों का प्रभाव
(c) संसाधनों के आबंटन पर सरकारी व्यय का प्रभाव
(d) उपर्युक्त में कोई नहीं

Ans. (a) : बजट का मुख्य उद्देश्य आय वितरण की असमानता में कमी लाना है और यह मुख्यतः कर लगाकर किया जाता है।

14. राजस्व प्राप्तियों और ऋण-भिन्न पूंजी प्राप्तियों तथा कुल व्यय, जिसमें से अदायगियों को घटाकर ऋणों को शामिल किया गया है, के बीच के अन्तर को कहा जाता है-

(a) राजस्व घाटा
(b) प्रभावी राजस्व घाटा
(c) राजकोषीय घाटा
(d) प्राथमिक घाटा

Ans. (c) : भारत में बजटरी व्यवहार में राजकोषीय घाटा की अवधारणा के पहली बार प्रयोग का श्रेय डॉ. मनमोहन सिंह को जाता है जिन्होंने 1991 में अपनी केन्द्रीय बजट में यह धारणा रखी। वैसे इस धारणा का सबसे पहले प्रयोग 'वर्ल्ड डेवलेपमेंट रिपोर्ट' 1988 में PSBR (Public Sector Borrowing Requirement) के रूप में मिलता है।
राजकोषीय घाटा = [(राजस्व प्राप्तियाँ + ऋण की अदायगी से प्राप्ति तथा अन्य प्राप्तियाँ)- (कुल व्यय।)]
or
राजकोषीय घाटा (Fiscal deficit)
F.D.=[(RR+CR)-उधार एवं अन्य देयतायें]-[(RE+CE)]
जहां, RR=राजस्व प्राप्तियां RE=राजस्व व्यय
CR=पूंजीगत प्राप्तियां CE=पूंजीगत व्यय

15. परिशोधन कोष (सिंकिंग फण्ड) शब्द का सम्बन्ध है-

(a) विदेशी व्यापार से
(b) सार्वजनिक व्यय से
(c) सार्वजनिक ऋण से
(d) सार्वजनिक विनियोग से

Ans. (c) : सिंकिंग फण्ड एक तरह की निधि होती है जिसमें एक निर्धारित राशि रखी जाती है जो भविष्य में कर्ज चुकाने के काम आ सके, इसे ऋण शोधन निधि भी कहा जाता है।
परिशोधन कोष का सम्बन्ध सार्वजनिक ऋण से होता है।

16. **एफ.ए.प्रायर के अनुसार किसी अर्थव्यवस्था में वैगनर का नियम काम कर रहा होता है यदि-**

(a) $\frac{\text{प्रति व्यक्ति सार्वजनिक व्यय में प्रतिशत परिवर्तन}}{\text{प्रति व्यक्ति आय में प्रतिशत परिवर्तन}} < 1$

(b) $\frac{\text{प्रति व्यक्ति सार्वजनिक व्यय में प्रतिशत परिवर्तन}}{\text{प्रति व्यक्ति आय में प्रतिशत परिवर्तन}} > 1$

(c) $\frac{\text{प्रति व्यक्ति सार्वजनिक व्यय}}{\text{प्रति व्यक्ति आय में प्रतिशत परिवर्तन}} > 1$

(d) $\frac{\text{प्रति व्यक्ति सार्वजनिक व्यय}}{\text{प्रति व्यक्ति आय में प्रतिशत परिवर्तन}} < 1$

Ans. (b) : वैगनर के अनुसार सार्वजनिक व्यय में होने वाले वृद्धि की दर का अनुपात प्रति व्यक्ति आय में होने वाली वृद्धि की तुलना में अधिक होता है।

17. **ऋण-प्रतिदान की पद्धतियों में शामिल हैं-**

(a) शोधन नीधि (b) पूंजी लेवी
(c) ऋण इन्कार (d) उपर्युक्त सभी

Ans. (d) : ऋण प्रतिदान की पद्धति में तीनो विधि शामिल होती हैं- 1. शोधन निधि 2. पूंजी लेवी 3. ऋण इन्कार

18. **चौदहवें वित्त आयोग के अनुसार अन्तर-राज्य आबंटन के निर्धारण हेतु जनसंख्या का भार है-**

(a) 15.0 प्रतिशत (b) 17.5 प्रतिशत
(c) 20.0 प्रतिशत (d) 25.0 प्रतिशत

Ans. (b) : 14वें वित्त आयोग के अनुसार अन्तर-राज्य आवंटन के निर्धारण हेतु जनसंख्या का भार 17.5% दिया गया है।
15वें वित्त आयोग के अनुसार- राज्यों के बीच आवण्टन जिसमें जनसांख्यिकीय प्रदर्शन को 12.5%, आय को 45% जनसंख्या और क्षेत्र को 15% वन और पारिस्थितिक को 10% और कर और वित्तीय प्रयासों को 2.5% महत्व दिया है।

19. **केन्द्रीय करों से आय का कितना प्रतिशत क्रमशः 13वें और 14 वें वित्त आयोग की अनुशंसाओं में, केन्द्र द्वारा राज्यों के मध्य बाँटा गया था?**

(a) 32:42 (b) 32:45
(c) 36:42 (d) 36:45

Ans. (a) : 13वें एवं 14वें वित्त आयोग की अनुशंसा के अनुसार केन्द्र द्वारा राज्यों को क्रमशः कुल करों की आय का 32% एवं 42% दिया गया है। 15वें वित्त आयोग (अध्यक्ष : एन.के. सिंह) केन्द्रीय करों में राज्यों की हिस्सेदारी को 41% देने की सिफारिश की है।

20. **भारत में व्यक्तिगत आय कर है एक-**

(a) आनुपातिक कर (b) प्रगतिशील कर
(c) प्रतिगामी कर (d) अधोगामी कर

Ans. (d) : भारत में व्यक्तिगत आय कर अधोगामी कर है क्योंकि प्रारम्भ में आय बढ़ने के साथ कर की दर भी बढ़ती जाती है परन्तु एक निश्चित स्तर पर पहुंचने के बाद कर की दर स्थिर एवं अनुपातिक हो जाती है।

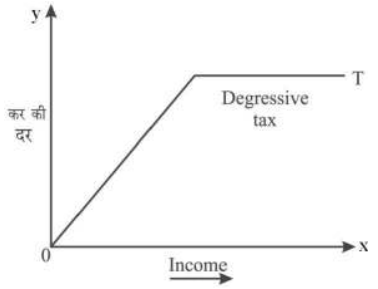

21. **श्री_____ द्वारा विकसित शून्य आधार बजट का सार्वजनिक बजट निर्माण के क्षेत्र में _____ हुआ था।**

(a) बर्कहेड : 1960s
(b) पीटर प्रायर : 1970s
(c) पीटर प्रायर : 1980s
(d) बर्कहेड : 1970s

Ans. (b) : शून्य आधार बजट का विचार 1970 में पीटर पायर द्वारा दिया गया था।

22. **निम्नलिखित में से कौन सा प्रमाप विचलन की गणना का सूत्र है?**

(a) $\sigma = \frac{\sum fdx}{n}$ (b) $\sigma = \frac{\sqrt{\sum fdx}}{n}$

(c) $\sigma = \frac{\sqrt{\sum fd^2}}{n}$ (d) $\sigma = \frac{\sum fdx}{n^2}$

Ans. (*) : प्रमाप विचलन की गणना इस सूत्र से होती है।
$\sigma = \sqrt{\frac{\Sigma(X-\overline{X})^2}{N}}$ or $\sigma = \sqrt{\frac{\Sigma d_x^2}{N}}$

23. **एक श्रेणी के विभिन्न पदों के मूल्यों के व्युत्क्रम के गणितीय माध्य के व्युत्क्रम को कहते हैं-**

(a) ज्यामितिक माध्य (b) हरात्मक माध्य
(c) चल माध्य (d) द्विघाती माध्य

Ans. (b) : एक श्रेणी के विभिन्न पदों के मूल्यों के व्युत्क्रम के गणितीय माध्य के व्युत्क्रम को हरात्मक माध्य कहा जाता है।

$$H.M. = \frac{n}{\left(\frac{1}{x_1} + \frac{1}{x_2} + ... + \frac{1}{x_4}\right)}$$

$$or\ H.M. = \frac{n}{\Sigma\left(\frac{1}{x}\right)}$$

24. यदि दो समाश्रय रेखाएं (Y on X और X on Y) एक दूसरे को समकोण पर काटती हों, तो दोनों श्रृंखलाएं आपस में-

(a) सहसम्बन्धित नहीं हैं।

(b) उच्च-सहसम्बन्धित हैं।

(c) ऋणात्मक रूप से सह-सम्बन्धित है।

(d) धनात्मक रूप से सह-सम्बन्धित हैं।

Ans. (a) : यदि दो प्रतीपगमन रेखाएं एक दूसरे को समकोण पर काटती है तो उनके बीच सहसम्बन्ध का मान (0) होता है।
यदि रेखायें एक दूसरे के सम्पाती हो तो उनके बीच पूर्ण सह सम्बन्ध पाया जाता है और $r = 1$ होता है।

25. एक झोले में से जिसमें चार काली और पाँच लाल गेंदे हैं। एक साथ तीन गेंदे निकाली जाती हैं। इस बात की कितनी सम्भावना है कि सभी गेंदे काली होंगी?

(a) $\frac{3}{22}$ (b) $\frac{2}{3}$

(c) $\frac{1}{21}$ (d) $\frac{1}{25}$

Ans. (c) : $\frac{4_{C_3}}{9_{C_3}}$

$$= \frac{\frac{\lfloor 4}{\lfloor 4-3 \lfloor 3}}{\frac{\lfloor 9}{\lfloor 9-3 \lfloor 3}} = \frac{\frac{\lfloor 4}{\lfloor 3}}{\frac{\lfloor 9}{\lfloor 6 \lfloor 3}} \Rightarrow \frac{\lfloor 4}{\lfloor 3} \times \frac{\lfloor 6 \lfloor 3}{\lfloor 9}$$

$$= \frac{\lfloor 4 \ \lfloor 6}{9 \times 8 \times 7 \times \lfloor 6}$$

$$= \frac{4 \times 3 \times 2 \times 1}{9 \times 8 \times 7}$$

$$= \frac{1}{21}$$

26. केन्द्रीय प्रवृत्ति के निम्नलिखित मापों में से कौन-सा सूचकांक तैयार करने के लिये सर्वोत्तम होगा?

(a) समान्तर माध्य (b) हरात्मक माध्य

(c) गुणोत्तर माध्य (d) मध्यिका

Ans. (c) : केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप में सूचकांक तैयार करने की सर्वोत्तम माप गुणोत्तर माध्य है।

27. यदि प्रतीपगमन रेखाएं Y पर X तथा X पर Y मिल जायें और मिलकर एक सीधी रेखा निर्मित करें, तो सहसम्बन्ध गुणांक होगा-

(a) 1.00 (b) 0.50

(c) 0.25 (d) 0.00

Ans. (a) : यदि दो प्रतिपगमन रेखायें एक दूसरे के सम्पाती हो तो उनके बीच पूर्ण सह-सम्बन्ध पाया जाता है तथा $r = 1$ होता है।

28. काल श्रेणी की व्याख्या में किस तरह के उतार-चढ़ावों को अल्पकालीन कहा जाता है?

(a) उपनति तथा दैव को (b) दैव तथा चक्रीय को

(c) दैव तथा आवर्त को (d) आवर्त तथा चक्रीय को

Ans. (d) : काल श्रेणी की व्याख्या में आवर्त तथा चक्रीय उतार-चढ़ावों को अल्पकालीन कहा जाता है।

29. ताश की एक गड्डी से एक पत्ता निकाला जाता है। इसकी प्रायिकता क्या होगी कि यह पत्ता एक डॉयमन्ड होगा या एक किंग होगा?

(a) $\frac{1}{13}$ (b) $\frac{2}{13}$

(c) $\frac{4}{13}$ (d) $\frac{1}{52}$

Ans. (c) : ताश की एक गड्डी से एक पत्ता निकाला जाता है।
डॉयमण्ड के पत्तों की संख्या = 13
किंग के पत्तों की संख्या = 4
एक डॉयमण्ड या एक किंग प्राप्त करने की प्रायिकता

$$= \frac{13}{52} + \frac{4}{52} - \frac{1}{52}$$

$$= \frac{16}{52}$$

$$= \frac{4}{13}$$

30. कौन सी एक संवृद्धि दर हैरड के आर्थिक संवृद्धि मॉडल से सम्बन्धित नहीं है?

(a) वांछित संवृद्धि दर

(b) प्राकृतिक संवृद्धि दर

(c) वास्तविक संवृद्धि दर

(d) औसत संवृद्धि दर

Ans. (d) : हैरड के संवृद्धि मॉडल में औसत संवृद्धि दर का कोई उल्लेख नहीं है। जबकि हैरड के आर्थिक संवृद्धि मॉडल में तीन प्रकार की संवृद्धि दरों का उल्लेख करते हैं–
(i) वास्तविक संवृद्धि दर (G_a)
(ii) वांछित संवृद्धि दर (G_w)
(iii) प्राकृतिक संवृद्धि दर (G_n)

31. गणनावाचक उपयोगिता विश्लेषण में संतुलन की शर्त को इस प्रकार अभिव्यक्त किया जा सकता है-

(a) $\frac{MUx}{Px} = Qx$

(b) $MUx = MUm$

(c) $\frac{MUx}{Px} = \frac{MUy}{Py} = MUm$

(d) $PxQx = MUm$

Ans. (c) : गणनावाचक संतुलन विश्लेषण में मार्शल ने संतुलन की शर्त को माना है- $\frac{MUx}{Px} = \frac{MUy}{Py} = MUm$

32. गिफिन वस्तु का मांग वक्र होगा-

(a) क्षैतिज

(b) दायीं ओर नीचे गिरता हुआ

(c) अनुलम्ब

(d) दायीं ओर ऊपर उठता हुआ

Ans. (d) : गिफिन वस्तुयें एक विशिष्ट प्रकार की हीन वस्तुयें होती हैं, जिनके सम्बन्ध में ऋणात्मक आय प्रभाव, प्रतिस्थापन प्रभाव से अधिक शक्तिशाली होता है अर्थात् मांग का नियम क्रियाशील नहीं होता है, क्योंकि इस दशा में उपभोक्ता आय का एक बहुत बड़ा भाग वस्तु के क्रय पर खर्च कर रहा है। इस प्रकार गिफिन वस्तु के लिए तीन शर्तें हैं-

1. वह वस्तु निम्न हो, जिसका ऋणात्मक आय प्रभाव शक्तिशाली हो।
2. उस वस्तु का प्रतिस्थापन प्रभाव कम हो।
3. उस वस्तु पर आय का एक बड़ा भाग व्यय किया जाता हो।

33. प्राकट्य अधिमान सिद्धान्त की निम्नलिखित में से कौन सी मान्यता नहीं है?

(a) उपभोक्ता का चुनाव उसके अधिमानों को प्रकट करता है।

(b) किसी दी हुई आय-कीमत स्थिति में उपभोक्ता वस्तुओं के बहुत से संयोग चुन सकता है।

(c) विश्लेषण की अवधि में उपभोक्ता की आय तथा वस्तुओं की कीमत स्थिर रहनी चाहिये।

(d) उपभोक्ता की रुचियाँ दी हुई हैं तथा अपरिवर्तित रहती है।

Ans. (b) : उपभोक्ता व्यवहार का 'प्रकट अधिमान सिद्धांत' का प्रतिपादन प्रो. सेम्युएल्सन ने किया।

मान्यतायें-

1. उपभोक्ता विवेकपूर्ण है।
2. व्यक्त अधिमान की अवधारणा पर आधारित
3. उपभोक्ता की रुचियां दी हुई है।
4. स्थिर व्यवहार की अवधारणा (Consistancy Postutate)
5. प्रबल क्रमबद्धता
6. सकर्मकता अर्थात् A>B, B>C तो A>C होगा।
7. मांग की धनात्मक आय लोच

34. निम्न में से किस बाजार स्वरूप के समूहों पर वस्तु विभेद लागू होता है?

(a) एकाधिकार, एकाधिकारिक प्रतियोगिता, अल्पाधिकार

(b) एकाधिकारिक प्रतियोगिता, अल्पाधिकार, अल्पक्रेताधिकार

(c) पूर्ण प्रतियोगिता, एकाधिकार अल्पाधिकार

(d) पूर्ण प्रतियोगिता, एकाधिकार, द्विपक्षीय एकाधिकार

Ans. (b) : वस्तु विभेद का नियम/अवधारणा निम्नलिखित बाजारों पर लागू होता है-

(1) एकाधिकारिक प्रतियोगिता, अल्पाधिकार, अल्पक्रेताधिकार

एकाधिकार और पूर्ण प्रतियोगिता बाजार में वस्तु विभेद लागू नहीं होता है क्योंकि एकाधिकार में वस्तु का एकमात्र विक्रेता होता है जबकि पूर्ण प्रतियोगिता में समरूप वस्तु की मान्यता होती है।

35. कल्याण के लिये क्षतिपूरक सिद्धान्त से कौन सा नाम नहीं जुड़ा है?

(a) काल्डोर (b) हिक्स

(c) सिटोवस्की (d) मार्शल

Ans. (d) : कल्याणवादी अर्थशास्त्र, अर्थशास्त्र की उस शाखा को कहते है, जो सामाजिक कल्याण को अधिकतम करने की दृष्टि से आर्थिक नीतियों का विश्लेषण करें।

→ कल्याणकारी अर्थशास्त्र के क्षतिपूरक सिद्धांत से केल्डार, हिक्स, सिटोवस्की सम्बन्धित है।

→ कल्याणवादी अर्थशास्त्र से सम्बन्धित अर्थशास्त्रियों में मार्शल, पीगू, पैरेटो, सैम्युल्सन, लिटिल व रेडर है।

36. वालरा के सामान्य संतुलन मॉडल में किसका उपयोग किया जाता है?

(a) समीकरण प्रणाली

(b) युगपत् रेखीय समीकरण प्रणाली

(c) युगपत् समीकरण प्रणाली

(d) रेखीय समीकरण प्रणाली

Ans. (c) : सामान्य संतुलन विश्लेषण का सर्वप्रथम प्रयोग लियोन वालरॉ ने किया था। यह विश्लेषण अर्थव्यवस्था के समस्त भागों के परस्पर सम्बन्धों का सिद्धांत है। सामान्य संतुलन अद्वितीय तब होता है, जब कीमतों और मात्राओं का केवल एक सेट संतुलन की शर्तों को पूरा करता है। इसके लिए वॉलरा ने युगपत समीकरण प्रणाली का प्रयोग किया है।

37. उपभोक्ता के व्यवहार के 'उपयोगिता विश्लेषण' तरीके में, निम्नलिखित में से कौन सी एक, मान्यता नहीं है?

(a) उपयोगिता मापनीय है।

(b) उपयोगिता, मुद्रा के रूप में मापनीय है।

(c) मुद्रा की सीमान्त उपयोगिता गिरती जाती है।

(d) मुद्रा की सीमान्त उपयोगिता स्थिर रहती है।

Ans. (c) : उपभोक्ता व्यवहार का उपयोगिता विश्लेषण पर आधारित सिद्धांत मार्शल से सम्बन्धित है।

मान्यतायें-

1. उपभोग की क्रिया निरंतर चलनी चाहिए।
2. उपभोग में आने वाली वस्तु की प्रत्येक इकाई गुण, स्वाद, मात्रा में समान हो।
3. रुचियों में व समय में परिवर्तन न हो।
4. मानसिक स्थिति सही या संतुलित हो।
5. उपभोग क्रिया के दौरान वस्तु के मूल्य में परिवर्तन नहीं हो।
6. उपयोगिता मापनीय हो। मुद्रा के रुप में भी मापी जा सकती है।

38. निम्नलिखित में से कौन 'फर्म के संवृद्धि अधिकतमीकरण उद्देश्य' से सम्बन्धित है?

(a) बॉमल (b) हिगिन्स

(c) मैरिस (d) विलियमसन

Ans. (c) : फर्म के संवृद्धि अधिकतमीकरण उद्देश्य से मैरिस सम्बन्धित है। मैरिस के अनुसार, ''प्रबंधकों और स्वामी वर्ग के लक्ष्यों और उपयोगिता फलन में समन्वय होता है तथा फर्म का उद्देश्य सन्तुलित वृद्धि दर को अधिकतम करना है।

39. निम्नलिखित में से किसने कल्याणकारी अर्थशास्त्र में 'सामाजिक कल्याण फलन' की अवधारणा को विकसित किया है?

(a) काल्डोर (b) पैरेटो

(c) पीगू (d) सैमुएलसन

Ans. (d) :

→ 'सामाजिक कल्याण फलन' का विचार सर्वप्रथम बर्गसन ने दिया। बाद में सेम्युल्सन टिंटनर व ऐरो ने इसका विकास किया।

→ सामाजिक कल्याण फलन समाज के कल्याण का क्रमबद्ध सूचक है तथा व्यक्तिगत उपयोगिता का फलन है। इस प्रकार-

$$W = F(u_1, u_2, u_3 \ldots\ldots u_n)$$

जहां W= कल्याण फलन

u= उपयोगिता स्तर

40. मुद्रा के स्टाक में वृद्धि प्रत्यक्ष रूप से वस्तुओं पर व्यय होती है। निम्न में से कौन से सिद्धान्त की मान्यता है?

(a) मुद्रा के परिमाण सिद्धान्त की

(b) IS-LM सिद्धान्त की

(c) केन्सीय सिद्धान्त की

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) : मुद्रा के परिमाण सिद्धांत के अन्तर्गत मुद्रा के स्टॉक में वृद्धि प्रत्यक्ष रूप से वस्तुओं पर व्यय होती है।

मुद्रा के परिमाण सिद्धांत का प्रतिपादन 16वीं शताब्दी में डेवन जेट्री ने किया था। बाद में ह्यूम, एडम स्मिथ, रिकार्डो, मिल, फिशर आदि ने विकास किया।

41. IS-LM वक्रों का कटान बिन्दु निर्धारित करता है-

(a) संतुलन राष्ट्रीय आय तथा संतुलन ब्याज की दर

(b) संतुलन राष्ट्रीय आय तथा निवेश का स्तर

(c) संतुलन राष्ट्रीय आय तथा बचत का स्तर

(d) संतुलन बचत तथा संतुलन मुद्रा की मांग

Ans. (a) : IS-LM मॉडल का विकास हिक्स हेंसन ने किया था। IS वक्र - वस्तु बाजार के संतुलन को तथा LM- वक्र मुद्रा बाजार के संतुलन को प्रकट करता है।

→ इस प्रकार IS-LM वक्र के कटान बिन्दु पर राष्ट्रीय आय एवं ब्याज दर के उस संयोग को प्रदर्शित करेगा, जिस पर वस्तु बाजार, एवं मुद्रा बाजार दोनों संतुलन की स्थिति में होंगें।

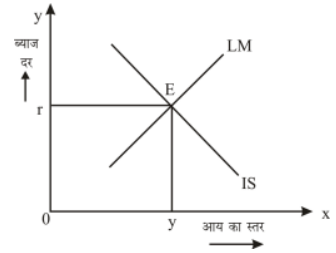

42. जब LM वक्र ऊर्ध्वाकार होता है, तो ऐसी स्थिति में निम्न में से कौन-सा सही है? मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि का परिणाम होता है।

(a) ब्याज दर में गिरावट

(b) ब्याज दर में वृद्धि

(c) आय स्तर में गिरावट

(d) आय स्तर में कोई परिवर्तन नहीं

Ans. (a) :

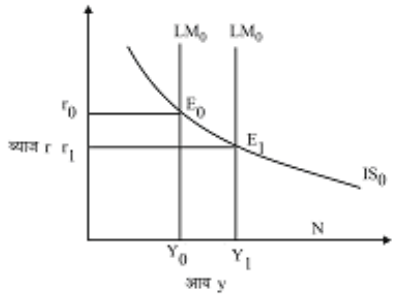

LM वक्र जब ऊर्ध्वाकार हो तथा मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि हो जाय तो LM वक्र अपनी प्रारिम्भक स्थिति LM_0 से दायी ओर विवर्तित हो जाता है जिससे नया सन्तुलन बिन्दु E_1 प्राप्त होता है। रेखाचित्र से स्पष्ट है कि ब्याजदर r_o से कम होकर r_1 हो जाती है तथा आय स्तर Y_0 से बढ़कर Y_1 बिन्दु पर आ जाता है

1. मुद्रा के मौद्रिक स्टॉक में परिवर्तन
2. मूल्य स्तर में परिवर्तन, जो मुद्रा स्टॉक के वास्तविक मूल्य को प्रभावित करेगा।
3. बॉण्ड पर प्राप्य भावी प्रतिफल की प्रत्याशा, जो मुद्रा की मांग को प्रभावित करे।
4. मौद्रिक नीति में परिवर्तन

43. सापेक्ष आय परिकल्पना में उपभोग आधारित होता है-

(a) सर्वोच्च विगत उपभोग पर

(b) समकक्ष समूह के वर्तमान उपयोग की माध्यिका मान पर

(c) न तो (A) और न (B)

(d) (A) तथा (B) दोनों

Ans. (d) : सापेक्ष आय परिकल्पना का प्रतिपादन ड्यूजेनबेरी ने किया। इस परिकल्पना के अनुसार किसी परिवार की आय का वह भाग जो उपभोग पर व्यय किया जाता है, उस परिवार की निरपेक्ष आय पर नहीं बल्कि अन्य परिवारों, जिनके बीच वह रहता है या जिनसे सम्बन्ध स्थापित करता है, की आय के संदर्भ में उसकी अपनी आय की सापेक्षता के ऊपर निर्भर करता है। इस सम्बन्ध में दो तथ्य है–

1. उपभोक्ता अपने उपभोग के निरपेक्ष स्तर से उतने सम्बधित नहीं है, जितने कि वे शेष जनसंख्या के संदर्भ में अपने सापेक्षिक उपभोग को ध्यान में रखते है।
2 वर्तमान उपभोग केवल वर्तमान निरपेक्ष आय तथा वर्तमान सापेक्षिक आय द्वारा निर्धारित नहीं होगा, बल्कि पिछली अवधियों में उपलब्ध उपभोग के स्तर द्वारा निर्धारित होगा।

44. वास्तविक व्यापार चक्र का सिद्धान्त यह कहता है कि व्यापार चक्रों का कारण होता है-

(a) पूर्ति आघात जैसे तकनीकी आघात, युद्ध, राजनैतिक उथल पुथल, इत्यादि
(b) समस्त मांग में वृद्धि
(c) समस्त मांग में कमी
(d) (A), (B) तथा (C)

Ans. (a) : वास्तविक व्यापार चक्र सिद्धांत दर्शाता है कि व्यापार चक्र मुख्यतः वास्तविक अथवा पूर्ति पक्षीय आघातों द्वारा उत्पन्न होते है।
पूर्ति आघात (Supply shocks) सिद्धांत जिसका प्रतिपादन आर.जी. गार्डन ने किया जो यह मानते हैं कि समग्र पूर्ति में अचानक एकाएक परिवर्तन व्यापार चक्रीय परिवर्तन पैदा कर सकता है।

45. रोजगार के क्लासिकीय सिद्धान्त के सम्बन्ध में निम्न में से कौन सा कथन सत्य नहीं है?

(a) यह बचत को रिसाव मानता है
(b) यह मानता है कि वास्तविक मजदूरी दर श्रम की सीमांत उत्पादकता के बराबर होती है।
(c) यह मानता है कि समस्त पूर्ति पूर्णतया बेलोचदार होती है।
(d) यह मानता है कि मुद्रा एक परिसम्पत्ति नहीं है।

Ans. (a) : रोजगार का प्रतिष्ठित सिद्धांत यह कहता है कि यदि पूंजीवादी अर्थव्यवस्था में कीमत तंत्र को स्वतंत्र मान लिया जाये तथा अर्थव्यवस्था में किसी प्रकार का हस्तक्षेप न हो तो अर्थव्यवस्था में दीर्घकाल में सदैव पूर्णरोजगार की स्थिति विद्यमान रहती है।
→ रोजगार के क्लासिकल सिद्धांत में मुद्रा मजदूरी तथा वास्तविक मजदूरी में परिवर्तन प्रत्यक्षतः सम्बद्ध तथा समानुपाती होता है।
→ प्रतिष्ठित रोजगार सिद्धांत में बचत तथा विनियोग को ब्याज सापेक्ष माना गया है।
→ क्लासिकल अर्थशास्त्री दूरदर्शिता बचत को रिसाव नहीं मानते हैं।

46. स्थायी आय परिकल्पना के अनुसार-

(a) अल्पकालिक आय में होने वाली सभी वृद्धि व्यय कर दी जाती हैं।
(b) अल्पकालिक आय में होने वाली सभी वृद्धि बचा ली जाती हैं।
(c) स्थायी आय में होने वाली सभी वृद्धि व्यय कर दी जाती हैं।
(d) स्थायी आय में होने वाली सभी वृद्धि बचा ली जाती है।

Ans. (b) : स्थायी आय परिकल्पना का प्रतिपादन मिल्टन फ्रीडमैन ने किया। भविष्य में आय की प्रत्याशा उपभोग क्रिया को प्रभावित करती है। स्थायी आय उपभोग पर खर्च की जाने वाली मुख्य आय होती है, जो सम्पत्ति की मात्रा पर प्रभाव नहीं डालती। यह समय की अवधि तथा दूरदर्शिता पर निर्भर करती है।

47. वृहद मुद्रा (ब्राड मनी) के भारतीय सन्दर्भ में, मुद्रा गुणक एक अनुपात है-

(a) M_0 और M_3 के बीच (b) M_1 और M_2 के बीच
(c) M_2 और M_3 के बीच (d) M_3 और M_4 के बीच

Ans. (a) : भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मुद्रा गुणक को आधार मुद्रा एवं वृहद मुद्रा के अनुपात के रूप में व्यवस्थित किया गया है। इस प्रकार- मुद्रा गुणक $(m) = \frac{M_3}{M_0}$

48. ब्याज का आधुनिक सिद्धान्त, आधारित है-

(a) केवल गैर-आर्थिक चरों पर
(b) केवल मौद्रिक चरों पर
(c) केवल वास्तविक चरों पर
(d) मौद्रिक एवं वास्तविक चरों पर

Ans. (d) : ब्याज का आधुनिक सिद्धान्त मौद्रिक एवं वास्तविक चरों पर आधारित है।

49. फिलिप्स वक्र के अनुसार बेरोजगारी, 'बेरोजगारी की प्राकृतिक दर' पर लौट आयेगी, जब-

(a) मौद्रिक मजदूरी, न्यूनतम मजदूरी के बराबर होगी।
(b) वास्तविक मजदूरी, पुनः दीर्घकालीन सन्तुलन स्तर पर वापस आ जायेगी।
(c) मौद्रिक मजदूरी, स्फीति की दर से अधिक तेजी से बढ़ रही हो।
(d) स्फीति, मौद्रिक मजदूरी में बढ़ोत्तरी से अधिक हो।

Ans. (b) : ब्याज निर्धारण का प्रतिष्ठित सिद्धांत ब्याज के निर्धारण में वास्तविक कारकों की भूमिका को महत्वपूर्ण मानता है। कीन्स अपने ब्याज सम्बन्धी तरलता अधिमान सिद्धांत में केवल मौद्रिक कारकों की भूमिका को स्वीकार करते हैं, जबकि वास्तविक कारकों की भूमिका को पूर्णतः नकार दिया है। ब्याज का आधुनिक सिद्धांत क्लासिकल और कीन्सीयन सिद्धांत का मिश्रण है। हिक्स और हैन्सन का IS, LM सिद्धांत जो ब्याज निर्धारण का आधुनिक सिद्धांत है इसमें वास्तविक और मौद्रिक दोनों कारकों को सम्मिलित रूप से ब्याज निर्धारण के लिए उत्तरदायी बताया गया है। हिक्स और हैन्सन ने ब्याज के निर्धारण में वास्तविक कारकों की भूमिका को IS वक्र से विश्लेषित किया है जबकि मौद्रिक कारकों की भूमिका को LM वक्र से विश्लेषित किया है।

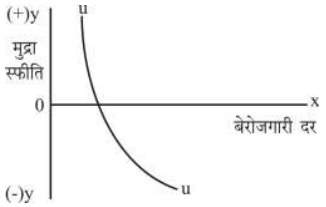

नीचे गिरता हुआ फिलिप्स वक्र यह दर्शाता है कि बेरोजगारी की दर को बढ़ाकर मुद्रा स्फीति में कमी लायी जा सकती है।

50. ब्याज की बाजार दर में _____बोन्ड्स की कीमतों में _____ करेगी।

(a) कमी : वृद्धि
(b) कमी : कमी
(c) वृद्धि : वृद्धि
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) :
→ ब्याज की दर एवं बॉण्ड कीमतों में विपरीत सम्बन्ध होता है।
→ अतः ब्याज की बाजार दर में कमी बॉण्ड्स की कीमतों में वृद्धि करेगी।

51. संदर्भी योजना क्या है?

(a) योजना का समग्र मूल्यांकन
(b) विगत अनुभवों का अवलोकन करना तथा भविष्य की समीक्षा
(c) विभिन्न क्षेत्रों में योजना की समीक्षा
(d) देश में विकास की दीर्घकालीन जरूरतों को पूरा करने के लिए भविष्य की योजना तैयार करना

Ans. (d) : देश के विकास की दीर्घकालीन जरुरतों को पूरा करने के लिए भविष्य की योजना तैयार करना, संदर्भी योजना कहलाता है।

52. नियो-क्लासिकल विकास मॉडल के बारे में क्या सही है?

1. ब्याजदर तथा लाभ लोचशील है।
2. पूंजी असमांगी है।
3. पूंजी तथा श्रम प्रतिस्थपित किये जा सकते हैं।
4. पूर्ण प्रतियोगिता पाई जाती है।

निम्न दिये गये कूटो में से सही उत्तर का चयन कीजिये-

(a) केवल 1, 3 तथा 4 सही हैं।
(b) केवल 1, 2 तथा 3 सही है।
(c) केवल 2 तथा 3 सही हैं।
(d) उपर्युक्त सभी सही हैं।

Ans. (a) : निओ-क्लासिकल विकास मॉडल के बारे में निम्नलिखित कथन सही है-
1. ब्याज दर तथा लाभ लोचशील है।
2. पूंजी समांगी है।
3. पूंजी तथा श्रम प्रतिस्थापित किये जा सकते है।
4. पूर्ण प्रतियोगिता पायी जाती है।

53. निम्नलिखित में से कौन सा अनुपात, मार्क्स के सिद्धान्त में पूंजी के आर्गेनिक (Organic) संयोजन को प्रदर्शित करता है? यहाँ C= स्थिर पूंजी, V=चल पूंजी, S=अतिरिक्त मूल्य

(a) $\frac{C}{V+S}$ (b) $\frac{C}{V}$
(c) $\frac{C}{C+V}$ (d) $\frac{S}{C+V}$

Ans. (c) : मार्क्स के सिद्धांत में पूंजी की आर्गेनिक संयोजन को प्रदर्शित किया जाता है।

$$\text{Organic composition of capital} = \frac{C}{C+V}$$

→ लाभ दर का निर्धारण पूंजी की आर्गेनिक रचना तथा शोषण की दर द्वारा किया जाता है।

54. आर्थिक नियोजन में छाया कीमतों का उपयोग कहाँ किया जाता है?

(a) आदाय-प्रदाय विश्लेषण में
(b) तकनीकी चुनाव में
(c) सामाजिक लागत-लाभ विश्लेषण में
(d) श्रमशक्ति नियोजन में

Ans. (c) : आर्थिक नियोजन में छाया कीमतों का उपयोग सामाजिक लागत-लाभ विश्लेषण में किया जाता है।

55. अनवरत योजना की अवधारणा के प्रणेता हैं-

(a) गुन्नार मिर्डल
(b) जे.के. गालब्रेथ
(c) जे.एम.केन्स
(d) पी.सी. महालानोबिस

Ans. (a) : अनवरत योजना (Rolling plan) की अवधारणा के प्रणेता गुन्नार मिर्डल है। मिर्डल ने इसका विचार अपनी पुस्तक 'एशियन ड्रामा' में दिया था।
→ भारत में जनता पार्टी द्वारा 1978-83 के लिए अनवरत् योजना चलाई गई थी, लेकिन सरकार बदलने के कारण इसे 1980 में समाप्त कर दिया गया।

56. रोस्टोव के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन सा विकास का अन्तिम चरण है?

(a) वृहद स्तर पर उच्च उपभोग का युग
(b) उड़ान
(c) परिपक्वता की ओर
(d) परम्परागत समाज

Ans. (a) : रोस्टोव ने अपनी पुस्तक 'The stages of Economic Growth' में आर्थिक विकास की पांच अवस्थायें बतायी-
1. परम्परागत समाज की अवस्था
2. आत्म-स्फूर्ति से पूर्व की अवस्था
3. आत्म-स्फूर्ति की अवस्था
4. परिपक्वता की ओर अग्रसर अवस्था
5. अत्यधिक उपभोग की अवस्था।

57. स्विस इकॉनोमिक इंस्टिट्यूट के.ओ.एफ. वैश्वीकरण सूचकांक तैयार करते समय ध्यान नहीं रखता-

(a) आर्थिक आयामों का
(b) सामाजिक आयामों का

(c) राजनैतिक आयामों का

(d) धार्मिक आयामों का

Ans. (d) : स्विस इकॉनोमिक इंस्टीट्यूट के.ओ.एफ. वैश्वीकरण सूचकांक तैयार करते समय निम्नांकित का ध्यान रखता है-

1. आर्थिक आयामों का
2. सामाजिक आयामों का
3. राजनैतिक आयामों का

58. संयुक्त राष्ट्र द्वारा विकसित मानव विकास सूचकांक के निर्माण में _____ का ध्यान नहीं रखा जाता।

(a) प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय

(b) जन्म के समय जीवन प्रत्याशा

(c) विद्यालय में बिताए गये औसत वर्ष

(d) लिंगानुपात

Ans. (d) : मानव विकास सूचकांक का प्रतिपादन UNDP द्वारा किया जाता है। यह HDI का प्रकाशन 1990 से कर रहा है। HDI के अन्तर्गत तीन चर आते हैं-

1. शैक्षणिक उपलब्धि
2. जीवन प्रत्याशा
3. राष्ट्रीय आय (प्रति व्यक्ति PPP$ के आधार पर)

59. एक औद्योगिक इकाई जो केवल निर्यात के लिए ही उत्पादन करती है, कही जाती है-

(a) ई.ओ.यू. (b) एफ.टी.जेड.

(c) ई.पी.जेड. (d) एफ.टी.यू.

Ans. (a) : एक औद्योगिक इकाई, जो केवल निर्यात के लिए ही उत्पादन करती है, EOU (Export oriented Unit) निर्यात निर्देशित समूह कहलाती है।

60. व्यापार की शर्त, जिसकी गणना निर्यातों के मूल्यों को आयातों की कीमतों के सूचकांक से विभाजित कर, की जाती है, को कहते हैं-

(a) वास्तविक लागत व्यापार शर्त

(b) आय व्यापार शर्त

(c) वस्तु व्यापार शर्त

(d) उपयोगिता व्यापार शर्त

Ans. (b) : व्यापार की आय शर्तों का प्रतिपादन डोरेन्स ने किया। इसे इस रूप में व्यक्त कर सकते हैं-

$$Ty=Tc.Qx$$

या, $\boxed{Ty=\frac{Px}{Pm}.Qx}$

व्यापार की आय शर्त किसी देश की आयात क्षमता को भी प्रदर्शित करती है।

61. विदेशी व्यापार गुणक का मान अधिक होगा जब-

(a) निर्यातों में वृद्धि होती है।

(b) घरेलू वस्तुओं के उपभोग की सीमांत प्रवृत्ति अधिक है।

(c) बचत की सीमान्त प्रवृत्ति अधिक है।

(d) आयात की सीमान्त प्रवृत्ति अधिक है।

Ans. (a) : विदेशी व्यापार गुणक को निर्यात गुणक भी कहते है। यह हमें बताता है कि निर्यात में वृद्धि के फलस्वरूप राष्ट्रीय आय में कितना गुना वृद्धि होती है।

$$\boxed{Kf=\frac{\Delta y}{\Delta x}}$$

विदेशी व्यापार गुणक का मूल्य सीमांत बचत प्रवृत्ति तथा सीमांत आयात प्रवृत्ति (MPM) पर भी निर्भर करता है।

$$Kf=\frac{1}{MPS+MPM}$$

62. भुगतान संतुलन के मौद्रिक उपागम के संबंध में निम्न में से क्या सत्य है?

(a) भुगतान संतुलन में घाटा राष्ट्र में मुद्रा आपूर्ति के आधिक्य के परिणाम स्वरूप होता है।

(b) भुगतान संतुलन अतिरेक मुद्रा की अतिरिक्त मांग से होता है।

(c) भुगतान संतुलन में असंतुलन दीर्घकाल में स्वतः ठीक हो जाता है।

(d) उपर्युक्त सभी

Ans. (d) : भुगतान संतुलन के मौद्रिक उपागम के सम्बन्ध में निम्नलखित कथन सत्य हैं-

1. भुगतान संतुलन में घाटा राष्ट्र में मुद्रा आपूर्ति के आधिक्य के परिणामस्वरूप होता है।
2. भुगतान संतुलन अतिरेक मुद्रा की अतिरिक्त मांग से होता है।
3. भुगतान संतुलन में असंतुलन दीर्घकाल में स्वतः ठीक हो जाता है।

63. जब एक देश आयात शुल्क लगाता है, तो देश का प्रस्ताव वक्र होगा-

(a) अक्ष जो निर्यात वस्तु का माप करता है, से दूर खिसक जायेगा

(b) अक्ष जो आयात वस्तु का माप करता है, से दूर खिसक जायेगा

(c) कुछ नहीं खिसकेगा

(d) उपरोक्त में कोई भी सम्भावित है

Ans. (a) : प्रस्ताव वक्र को मांग वक्र भी कहते है, जो किसी देश की एक वस्तु की उस मात्रा को प्रदर्शित करता है जो वह देश दूसरे देश की किसी अन्य वस्तु के बदले देने को तैयार रहता है।

→ प्रस्ताव वक्र को मार्शल ने विकसित किया था। मार्शल के अनुसार दो देशों के बीच व्यापार शर्त का निर्धारण उस बिन्दु पर होता है, जहां दोनों देशों का प्रस्ताव वक्र एक दूसरे को काटते हैं।

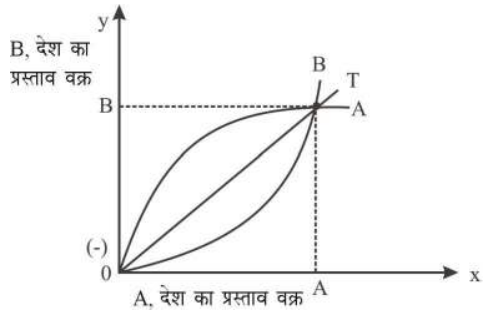

64. उरूग्वे शिखर सम्मेलन में निम्न में से कौन से मुद्दे पर विचार नहीं किया गया?

(a) बौद्धिक सम्पदा अधिकार
(b) प्रवजन
(c) प्रशुल्क
(d) सेवायें

Ans. (b) : उरुग्वे चक्र की वार्ता में डंकल प्रस्तावों को स्वीकार करते हुए अंततः 15 अप्रैल, 1994 को मराकेस (मोरक्को) में गैट के 124 सदस्य देशों ने हस्ताक्षर कर दिये, जिसके परिणामस्वरूप 1 जनवरी, 1995 में विश्व व्यापार संगठन अस्तित्व में आया
उरुग्वे शिखर सम्मेलन में बौद्धिक सम्पदा अधिकार, प्रशुल्क एवं सेवा सम्बन्धी मुद्दों पर विचार किया गया।

65. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के 'अवसर लागत सिद्धान्त' को किसने प्रतिपादित किया?

(a) हैबरलर
(b) रिकार्डो
(c) मार्शल
(d) हेक्सर-ओहलिन

Ans. (a) : अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के 'अवसर लागत सिद्धांत' का प्रतिपादन हैबरलर ने किया।

66. चालू खाते में परिवर्तनीयता का अर्थ है, विदेशी मुद्रा का स्वतन्त्र क्रय-विक्रय-

(a) विदेशी व्यापार से सम्बन्धित समस्त भुगतान के लिए
(b) घर का खर्चा चलाने के लिए साधारण प्रेषण के लिए
(c) ऋण पर ब्याज के भुगतान के लिये
(d) उपरोक्त सभी

Ans. (d) : विदेशी मुद्रा का स्वतंत्र क्रय-विक्रय के संदर्भ में चालू खाते में परिवर्तनीयता का अर्थ है-
1. विदेशी व्यापार से सम्बन्धित समस्त भुगतान के लिए।
2. घर का खर्च चलाने के लिए साधारण प्रेषण के लिए।
3. ऋण पर ब्याज के भुगतान के लिए।

67. 1991 के भुगतान सन्तुलन संकट के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भण्डार इतना कम हो गया था कि, भारत मुश्किल से _____ सप्ताह तक के आयात का भुगतान कर सकता था।

(a) तीन (b) पाँच
(c) छः (d) दो

Ans. (a) : 1991 के भुगतान संतुलन संकट के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भण्डार इतना कम हो गया था कि भारत मुश्किल से तीन सप्ताह तक के लिए आयात का भुगतान कर सकता था।

68. हैरोड व डोमर मॉडल में, निम्नलिखित में से कौन सी एक मान्यता नहीं है-

(a) अर्थव्यवस्था में पूर्ण-रोजगार स्तर से कम, आय स्तर पर सन्तुलन है।
(b) सरकारी हस्तक्षेप अनुपस्थित है।
(c) अर्थव्यवस्था बन्द है।
(d) बचत की सीमान्त एवं औसत प्रवृत्तियाँ समान हैं।

Ans. (a) : हैरॉड-डोमर मॉडल की मान्यता निम्नवत् है-
1. अर्थव्यवस्था पूर्ण रोजगार की स्थिति में है।
2. APS=MPS
3. बंद अर्थव्यवस्था है।
4. समय पश्चता नहीं पायी जाती है।
5. बचत प्रवृत्ति तथा पूंजी गुणांक अनुपात स्थिर है।
6. पूंजी-श्रम अनुपात $\left(\frac{K}{L}\right)$ स्थिर है।
7. कोई प्राविधिक परिवर्तन नहीं हो रहा है।
8. बचत, विनियोग अनुपात से सम्बन्धित है अर्थात् St=S.1/t।
9. श्रम की पूर्ति बाह्य रूप से निर्धारित है।

69. अन्त्योदय अन्न योजना देती है,_____ किलोग्राम खाद्यान्न प्रति माह_____ को।

(a) 25 kg बी.पी.एल. परिवारों में गरीबतम
(b) 35 kg बी.पी.एल. परिवारों में गरीबतम
(c) 35 kg गरीब ग्रामीण परिवारों
(d) 25 kg गरीब ग्रामीण परिवारों

Ans. (b) : अन्त्योदय अन्न योजना की शुरुआत दिसम्बर, 2000 को की गई। इस योजना के अन्तर्गत देश के निर्धनतम परिवार को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से 35 किग्रा अनाज विशेष रियायती मूल्य पर उपलब्ध कराया जाता है। इसके अन्तर्गत केन्द्रीय निर्गम मूल्य गेहूँ ₹2 तथा चावल ₹ 3 प्रति किग्रा है।

70. राष्ट्रीय कृषि नीति (2000, भारत) का लक्ष्य, कृषि क्षेत्र में _____ प्रतिशत से अधिक वार्षिक वृद्धि दर प्राप्त करना, वर्ष _____ तक।

(a) 4, 2015 (b) 6, 2015
(c) 4, 2005 (d) 6, 2005

Ans. (a) : राष्ट्रीय कृषि नीति, 2000 का लक्ष्य वर्ष 2015 तक कृषि क्षेत्र में 4% से अधिक वार्षिक वृद्धि दर प्राप्त करना रहा है।

उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग असिस्टेन्ट प्रोफेसर परीक्षा 2014
अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र **परीक्षा तिथि : 22/03/2015**

1. One of the distribution between public finance and private finance is that:
लोक वित्त एवं निजी वित्त में एक अन्तर है:

(a) The state maximises the general welfare of the public while and individual maximises his own satisfaction./राज्य जनता के सामान्य कल्याण को अधिकतम करता है जबकि व्यक्ति अपनी संतुष्टि को अधिकतम करता है

(b) The state cannot borrow money easily while the individual can get loans./राज्य व्यय के अनुसार आय समायोजित करता है जबकि व्यक्ति आय के अनुसार व्यय को करता है।

(c) The state cannot borrow money easily while the individual can get loans./राज्य आसानी से उधार नहीं ले सकता जबकि व्यक्ति ले सकता है।

(d) The state has no coercive powers while the individual has./राज्य के पास अनिवार्य प्रतिरोधी शक्तियाँ नहीं होती हैं जबकि व्यक्ति के पास होती है।

Ans. (b) : लोकवित्त एवं निजी वित्त में निम्नलिखित अंतर है-

(1) राज्य अपने व्ययों के अनुसार अपनी आय को समायोजित करता है, जबकि एक व्यक्ति अपनी आय के अनुसार अपने व्यय को समायोजित करता है।

(2) राज्य अर्थव्यवस्था के सम्पूर्ण साधनों को प्रयोग में ला सकता है, जबकि एक व्यक्ति के लिए उपलब्ध साधन सीमित स्वभाव के होते है।

(3) प्रो. फिण्डले शिराज के अनुसार सार्वजनिक व्ययों का अनिवार्य स्वभाव होता है, जबकि व्यक्तिगत व्ययों के संदर्भ में ऐसा नहीं होता है।

(4) प्रो. शिराज के अनुसार व्यय करते समय प्रत्येक व्यक्ति लाभ के उद्देश्य से कार्य करता है, पर एक राज्य ऐसा नहीं करता है।

(5) राज्य राजस्व (आय) को एकत्रित करने के लिए शक्ति का प्रयोग कर सकता है, पर एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को बाध्य नहीं कर सकता है।

(6) व्यक्ति अपनी आय व व्यय सम्बन्धी सूचना को गुप्त रखता है, जबकि सरकार अपने आय-व्यय को प्रकाशित करती है।

(7) व्यक्तिगत ऋण निश्चित रूप से ऋण लेने वाले के ऊपर बोझ होता है, जबकि आंतरिक सार्वजनिक ऋण, जिसे राज्य प्राप्त करता है, वह अर्थव्यवस्था के ऊपर बोझ नहीं है।

नोट– राज्य तथा व्यक्ति दोनों ही अपनी आय को इस प्रकार व्यय करते है, जिससे उनको मिलने वाली संतुष्टि अधिकतम हो।

2. The direct effect of deficit financing is that:
घाटे की वित्त व्यवस्था का सीधा प्रभाव होता है कि:

(a) employment situation of worsens
रोजगार की स्थिति खराब होती है

(b) demand and supply of output increases
उत्पादन की माँग एवं पूर्ति बढ़ती है।

(c) pushes up prices/कीमतों को ऊपर धकेलती है

(d) makes market more competing
बाजार की अधिक प्रतिस्पर्धी बनाती है

Ans. (c) : जब सरकार की आय उसके व्यय से कम हो जाती है तो बजट में इस प्रकार उत्पन्न होने वाले घाटे को पूरा करने के लिए जो व्यवस्था अपनायी जाती है, उसे घाटे की वित्त व्यवस्था (हीनार्थ प्रबंधन) कहते हैं। घाटे की वित्त व्यवस्था के प्रमुख प्रभाव निम्नवत् है–

(1) अतिरिक्त मुद्रा पूर्ति के कारण कीमत स्तर में वृद्धि।
(2) स्फीतिक दबाव
(3) आय की असमानताओं में वृद्धि
(4) स्फीतिक दबाव के कारण औसत उपभोग स्तर में कमी।
(5) विनियोग ढांचे पर प्रतिकूल प्रभाव।

3. Who is the Chairman of the Fourteenth Finance Commission?
चौदहवें वित्त आयोग का अध्यक्ष कौन है?

(a) Abhijit Sen/अभिजीत सेन
(b) M. Govinda Rao/एम.गोविन्दा राव
(c) Y.V. Reddy/वाई.वी रेड्डी
(d) Vijay Kelkar/विजय केलकर

Ans. (c) :

वित्त आयोग	अध्यक्ष
पहला	के.सी. नियोगी
दूसरा	के. संथानम
तीसरा	ए.के. चन्दा
चौथा	पी.वी. राजमन्नार
पांचवा	महावीर त्यागी
छठा	ब्रह्मानन्द रेड्डी
सातवां	जे.एम. शैलट
आठवां	वाई.वी.चव्हाण
नौवां	एन.के.पी. साल्वे
दसवां	के.सी. पंत
11वां	प्रो.ए.एम. खुसरो
12वां	डॉ. सी. रंगराजन
13वां	डॉ. विजय, केलकर
14वां	वाई. वी. रेड्डी
15वां	एन. के. सिंह